

MEERUT INSTITUTE OF TECHNOLOGY

7.1.9. Sensitization of Students and Employees of The Institution To The Constitution (Obligation-Values, Rights Duties And Responsibility of Citizen

S. NO.	List of programs
1.	Hara Meerut Sammriddh Meerut
2.	Tree Plantation
3.	Blood Donation Camp
4.	Meerut Against Plastic
5.	Joy of Giving
6.	Swacch Bharat Swacch Meerut Abhiyan
7.	Voluntary Blood Donation
8.	Voter Awareness Program
9.	Plastik Mukh Meerut
10.	Tree Plantation Drive
11.	Donation Camp
12.	Swachh Bharat Cleanliness Campaign
13.	Universal Human Values And Professional Ethics And Constitution Of India

Meerut Institute of Technology, Meerut

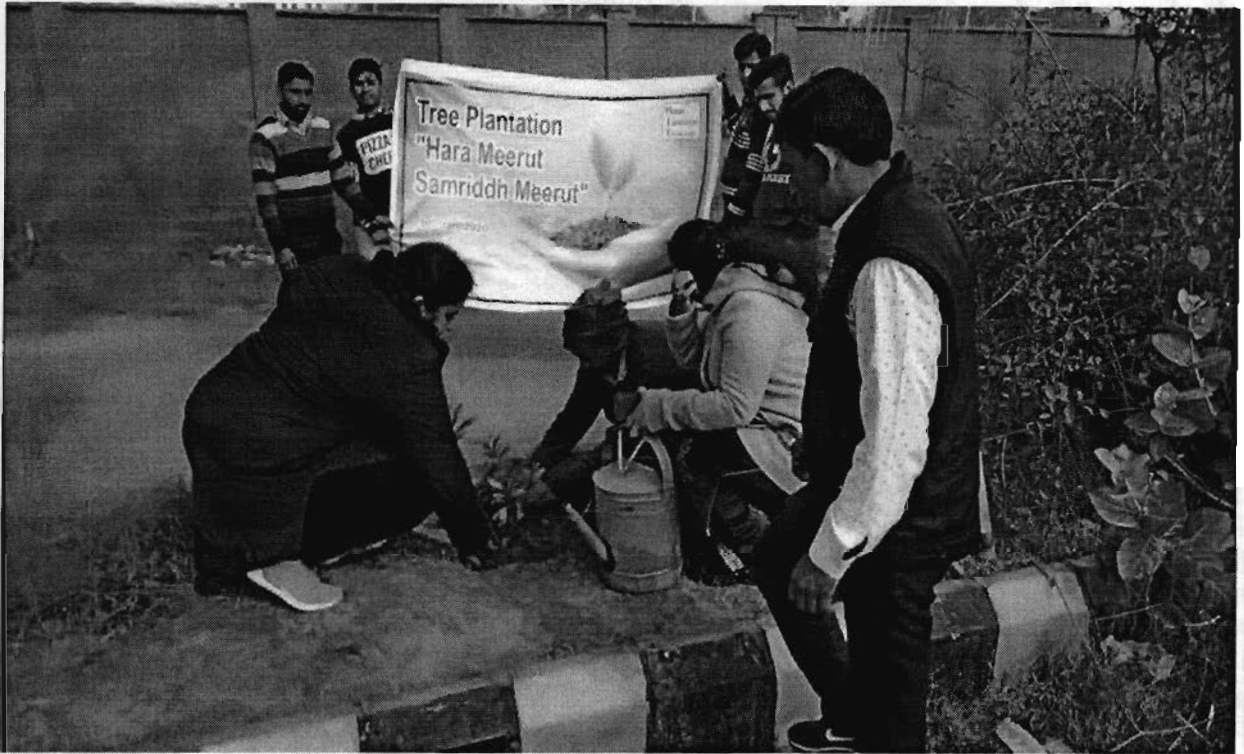
A REPORT ON

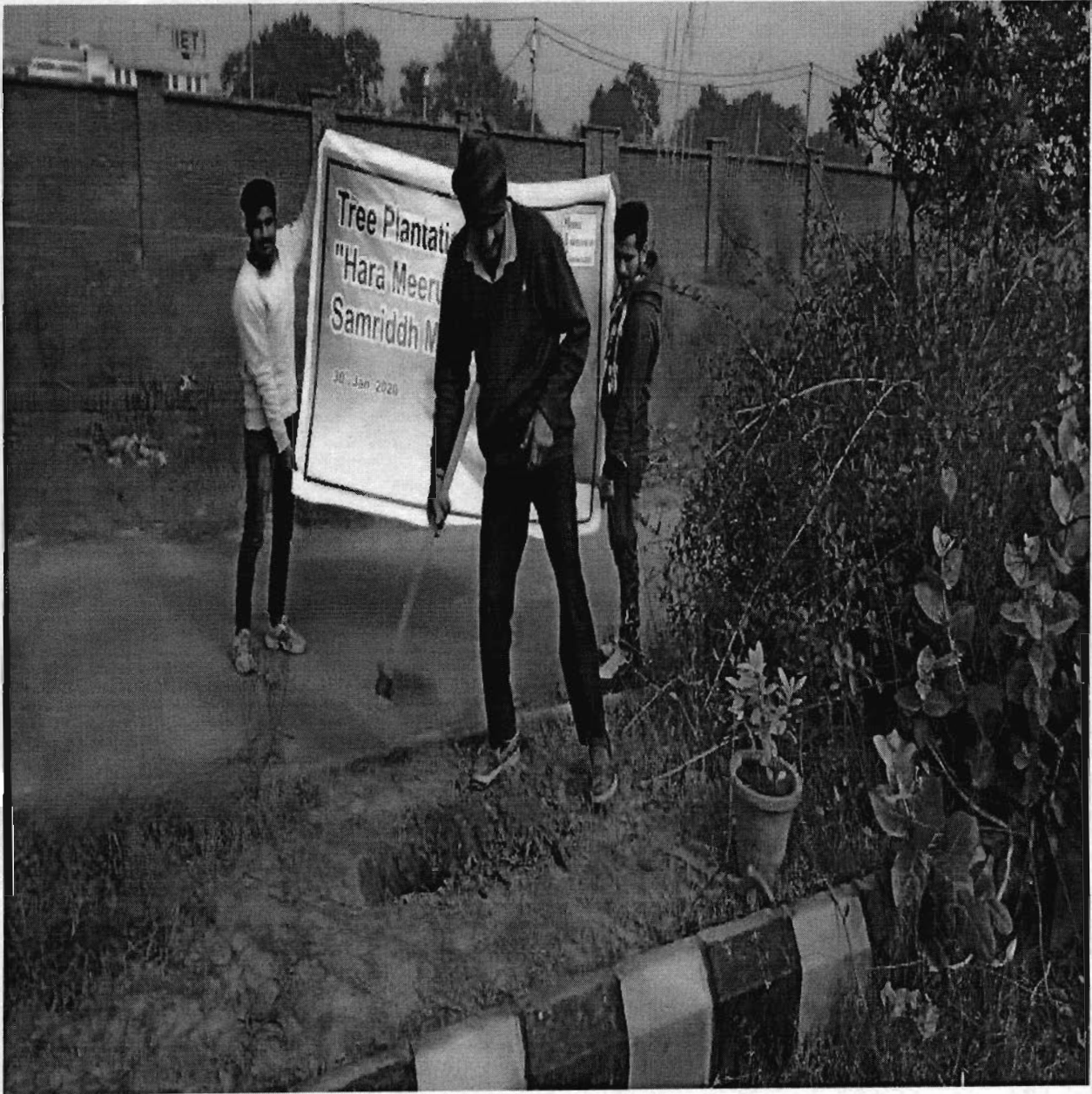
HARA MEERUT, SAMRIDH MEERUT

2nd Feb 2020

Trees are vital. As the biggest plants on the planet, they give us oxygen, store carbon, stabilize the soil and give life to the world's wildlife. They also provide us with the materials for tools and shelter. Unfortunately, the forest cover in the country is dwindling and the reducing number of plants and trees in the city is causing a rise in pollution levels at an alarming rate. Keeping this in mind Meerut Institute of Technology, conducted a tree plantation drive at MIT campus and nearby area on 30th January 2020.

About 87 volunteers had participated & around 12 banyan trees, 10 neem, 5 papaya, Ashoka and tulsi were planted by the volunteers. Enthusiastic volunteers of MIT along with the teacher in charge, Shilpi Singh and Dr. Ashish Kumar enjoyed tree plantation. The program concluded by distributing snacks to all present for this noble cause.





Meerut Institute of Technology, Meerut

Date: 29th January 2020

NOTICE

This is hereby to inform all the students of MIT that Tree Plantation drive is being going to organized on the occasion of "Van Mahotsav"

This drive will start from MIT campus to nearby area of college in Meerut on Saturday, 30th January 2020 from 8.00 am to 10.00 am. Free seeds and saplings will also be distributed to the volunteers.

All the students are invited to give their part for this auspicious cause.



Director

CC:

1. Registrar-MIT
2. Faculty –For circulation
3. Transport In-charge– for arrangement of Bus facility

Meerut Institute of Technology, Meerut


Date: 25th Sep 2019

NOTICE

This is to inform all the students of Meerut Institute of Technology, that our college is going to organize a Blood Donation Camp on the occasion of ‘National Voluntary Blood Donation Day’,

As blood donation is an essential duty of our citizenry thus high participation is expected in this auspicious event. Camp is scheduled on 1st October 2019 from 9:00 am to 6:00pm.

Interested students can enroll their names on or before 1st October 2019.


Director

CC:

1. Registrar-MIT
2. Faculty –For circulation
3. Mr. Transport In-charge– for arrangement of Bus facility

Meerut Institute of Technology, Meerut

A REPORT ON

National Voluntary blood Donation Day

3rd oct 2019

Meerut Institute of Technology, Meerut organized a Blood Donation Camp on the occasion of “National Voluntary Blood Donation Day” on 1st October 2019.

The Camp was organized in collaboration with P.L. Sharma District Hospital, Meerut under the supervision and guidance of Dr. P.K. Bansal. About 127 volunteered for donating blood.

The Camp was jointly inaugurated by Dr. P.K. Bansal; Additional Board of Director and Chief Superintendent District Hospital, Shri Puneet Aggarwal Vice Chairman MIET Group, Dr. Alok Chauhan; Director MIT, Dr. Himanshu Sharma; Principal MITPC, Dr. N.K. Sharma Principal DPMIT.

The Camp had been organized in B-Block. After the preliminary check-up of the blood donors, they were instructed to lie down on individual beds. The first to donate blood were the Vice Chairman MIET Group Shri Puneet Aggarwal. He encouraged the students with the Quote “RAKTADAN MAHADAAN” &

said that “This is a good initiative to serve for the community and it works as life savior for the people whom actually need it emergency”.

All the Students & Staff members of the Meerut Institute of Technology, Meerut enthusiastically took part in the camp and staff members of MIT were personally assisting the team of doctors. There was a kind of hustle and bustle in the camp Soon. All looked excited about it. After blood donation, each student was given refreshments in the form of milk, juice, grapes etc. At the end of the function, each blood donor was given a card. The doctor and the Principal thanked all the students for donating blood for a noble cause.

MEERUT INSTITUTE OF TECHNOLOGY

स्वैच्छिक रक्तदान
एक दूधिर रक्तदान कराये धार को जान

Media Partner
Dainik Jagran
ine:it
SMART PADHO, SMART BANO

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, 01 अक्टूबर 2019

आओ करें रक्तदान, हो स्वस्थ भारत का निर्माण

P.L. Sharma
District Hospital
(Blood Bank), Meerut

HDFC BANK
We understand your world

Date : 1st October, 2019
Venue : B-Block (MIT Campus)
Time : 9am to 6pm

बुधवार , 02 अक्टूबर 2019

02

हिन्दुस्तान

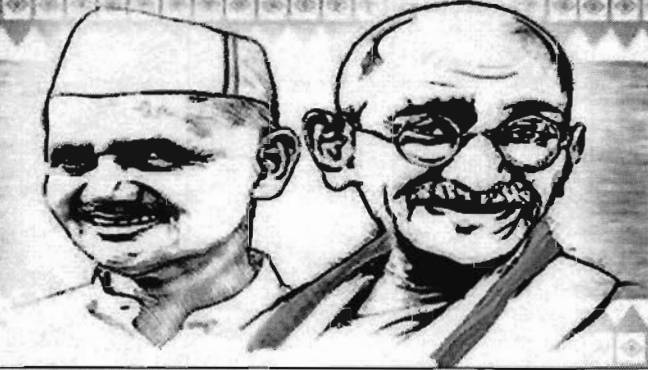
127 छात्र-छात्राओं ने किया रक्तदान

मेरठ। एमआईईटी में हुए रक्तदान शिविर में 127 छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया। मंडलीय अपर निदेशक डॉ. पीके बंसल और एमआईईटी के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में 127 यूनिट बल्ड डोनेट किया गया। शिविर की थीम अमर शहीदों को समर्पित रही। शिविर में डॉ. आलोक चौहान, डॉ. नीरज कांत शर्मा, डॉ. हिमांशु शर्मा, डॉ. सूरज मलिक,, सुरेश हंस, स्वाति शर्मा और अजय चौधरी मौजूद रहे।

मेरठ
LIVE

कंपस

जय जवान
जय किसान



एमआईटी में छात्रों ने किया रक्तदान

मेरठ 2
अक्टूबर (वि)।
परतापुर बाईपास
स्थित मेरठ
इंस्टीट्यूट ऑफ टे.
क्नोलॉजी (एमआईटी)
में रक्तदान शिविर का
आयोजन किया गया,
जिसमें कॉलेज के
छात्र-छात्राओं ने उत्.
साहपूर्वक बढ़ चढ़कर
भाग लिया। रक्तदान
शिविर का उद्घाटन
प्रमुख अधीक्षक जिला



चिकित्सालय एवं मंडलीय अपर
निदेशक डॉ पीके बंसल और एमआईटी
संस्थान के वाइस चेयरमैन पुनीत
अग्रवाल ने किया। संस्थान के वाइस
चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने कहा
रक्तदान सबसे बड़ा महादान है, जिससे
अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं,
जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए
रक्तदान शिविर सराहनीय पहल है।
वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने ब्लड
डोनेट करके छात्रों का मनोबल बढ़ाया।

छात्रों ने 127 यूनिट ब्लड डोनेट
किया। रक्तदान शिविर की थीम देश के

अमर शहीदों को समर्पित रही। जिसमें
मुख्य रूप से युवा छात्रों द्वारा रक्तदान
किया गया। रक्तदान शिविर में
एचडीएफसी बैंक, नवज्योति वेलफेयर
सोसायटी और पीएल शर्मा जिला चि.
कत्सालय ब्लड बैंक का महत्वपूर्ण
सहयोग रहा। इस अवसर पर वाइस
चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ.
आलोक चौहान, प्रिंसिपल फार्मसी डॉ.
नीरज कांत शर्मा, प्रिंसिपल डॉ हिमांशु
शर्मा, एचओडी डॉ. सूरज मलिक, सुरेश
हंस, स्वाति शर्मा, अजय चौधरी का
योगदान रहा।

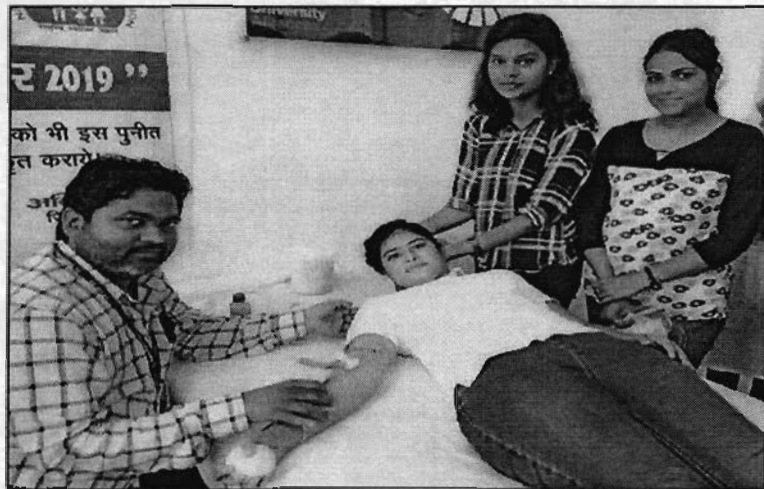
क
1।
टी
बी.
धी
50
द्व
क्षा
शत
के
क
इए
की
प्त
नी
के
ने
तश
डी
ना
ल,
डा.
नी
रठ
पन
जी
री,

एमआईटी में 127 छात्रों ने किया रक्तदान

□ अमर शहीदों को समर्पित रही रक्तदान शिविर की थीम

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन प्रमुख अधीक्षक जिला चिकित्सालय एवं मंडलीय अपर निदेशक डॉ. पीके बंसल और एमआईटी संस्थान के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने किया। संस्थान के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने कहा रक्तदान सबसे बड़ा महादान है, जिससे अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं, जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए रक्तदान शिविर सराहनीय पहल है। वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने ब्लड डोनेट करके छात्रों का मनोबल बढ़ाया। छात्रों ने 127



एमआईटी में रक्तदान करती छात्राएं।

छाया: शाह टाइम्स

यूनिट ब्लड डोनेट किया। रक्तदान शिविर की थीम देश के अमर शहीदों को समर्पित रही। जिसमें मुख्य रूप से युवा छात्रों द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर में एचडीएफसी बैंक, नवज्योति वेलफेयर सोसायटी और पीएल शर्मा जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक का

महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ. आलोक चौहान, प्रिंसिपल फार्मसी डॉ. नीरज कांत शर्मा, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, एचओडी डॉ. सूरज मलिक, सुरेश हंस, स्वाति शर्मा, अजय चौधरी का योगदान रहा।

एमआईटी में 127 छात्रों ने किया रक्तदान

(आज का बुलेटिन अतुल मादेकर)

मेरठ। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, एमआईटी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन प्रमुख अधीक्षक जिला चिकित्सालय एवं मंडलीय अपर निदेशक डॉ. पीके बंसल और एमआईटी संस्थान के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने किया।

संस्थान के वाइस

चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने कहा रक्तदान सबसे बड़ा

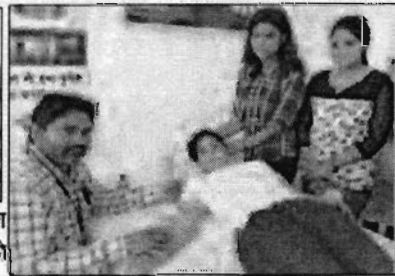
महादान है जिससे अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए रक्तदान शिविर सराहनीय पहल है। वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने ब्लड डोनेट करके छात्रों का मनोबल बढ़ाया।

छात्रों ने 127 यूनिट ब्लड डोनेट किया। रक्तदान



शिविर की थीम देश के अमर शहीदों को समर्पित रही।

जिसमें मुख्य रूप से युवा छात्रों द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर में एचडीएफसी बैंक, नवज्योति वेलफेयर सोसायटी और पीएल शर्मा जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।



इस अवसर पर वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ए निदेशक डॉ आलोक चौहान, प्रिंसिपल फार्मसी डॉ नीरज कांत शर्मा, प्रिंसिपल डॉ हिमांशु शर्मा, एचओडी डॉ सूरज मलिक, सुरेश हंस, स्वाति शर्मा, अजय चौधरी का योगदान रहा।

एमआईटी में 127 छात्रों ने किया रक्तदान

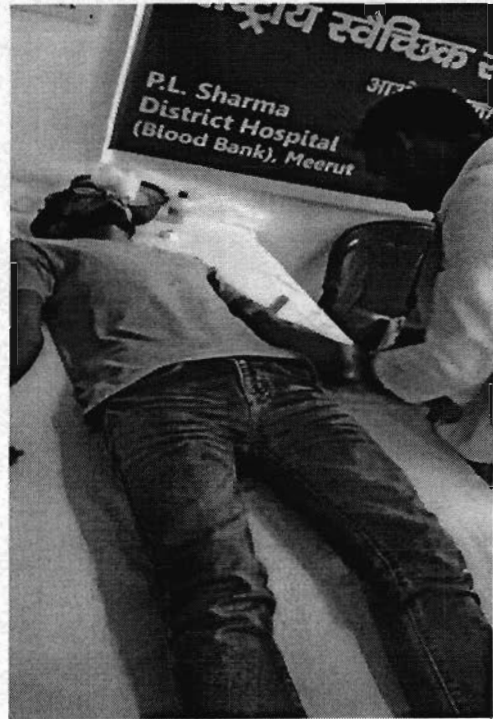
(शाह बुलेटिन संवा10)

मेरठ। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक बड़ चढ़कर भाग लिया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन प्रमुख अधीक्षक जिला चिकित्सालय एवं मंडलीय अपर निदेशक डॉ पीके बंसल और एमआईटी संस्थान के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने किया। संस्थान के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने कहा रक्तदान सबसे बड़ा महादान है, जिससे अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं, जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए रक्तदान शिविर सराहनीय पहल है। वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने ब्लड डोनेट करके छात्रों का मनोबल बढ़ाया।

छात्रों ने 127 यूनिट ब्लड डोनेट किया। रक्तदान शिविर की थीम देश के अमर शहीदों को समर्पित रही। जिसमें मुख्य रूप से युवा छात्रों द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर में एचडीएफसी बैंक, नवज्योति वेलफेयर सोसायटी और पीएल शर्मा जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ आलोक चौहान, प्रिंसिपल फार्मैसी डॉ नीरज कांत शर्मा, प्रिंसिपल डॉ हिमांशु शर्मा, एचओडी डॉ सूरज मलिक, सुरेश हंस, स्वाति शर्मा, अजय चौधरी का योगदान रहा।



MIT Students Donating the Blood





Meerut Institute of Technology, Meerut


Date: 26th September 2019

NOTICE

This is to inform the all students of MIT that our college has initiated an awareness program for "Meerut Against Plastic" to create awareness among village people and lower down the plastic load.

Rally will start from college premise on 28th September 2019 from 10:30 am onwards.

Interested students can enroll their names before 28th September 2019.



Director

CC:

1. Registrar-MIT
2. Faculty –For circulation
3. Mr. Transport In-charge– for arrangement of Bus facility

Meerut Institute of Technology, Meerut

A REPORT ON

"Meerut Against Plastic"

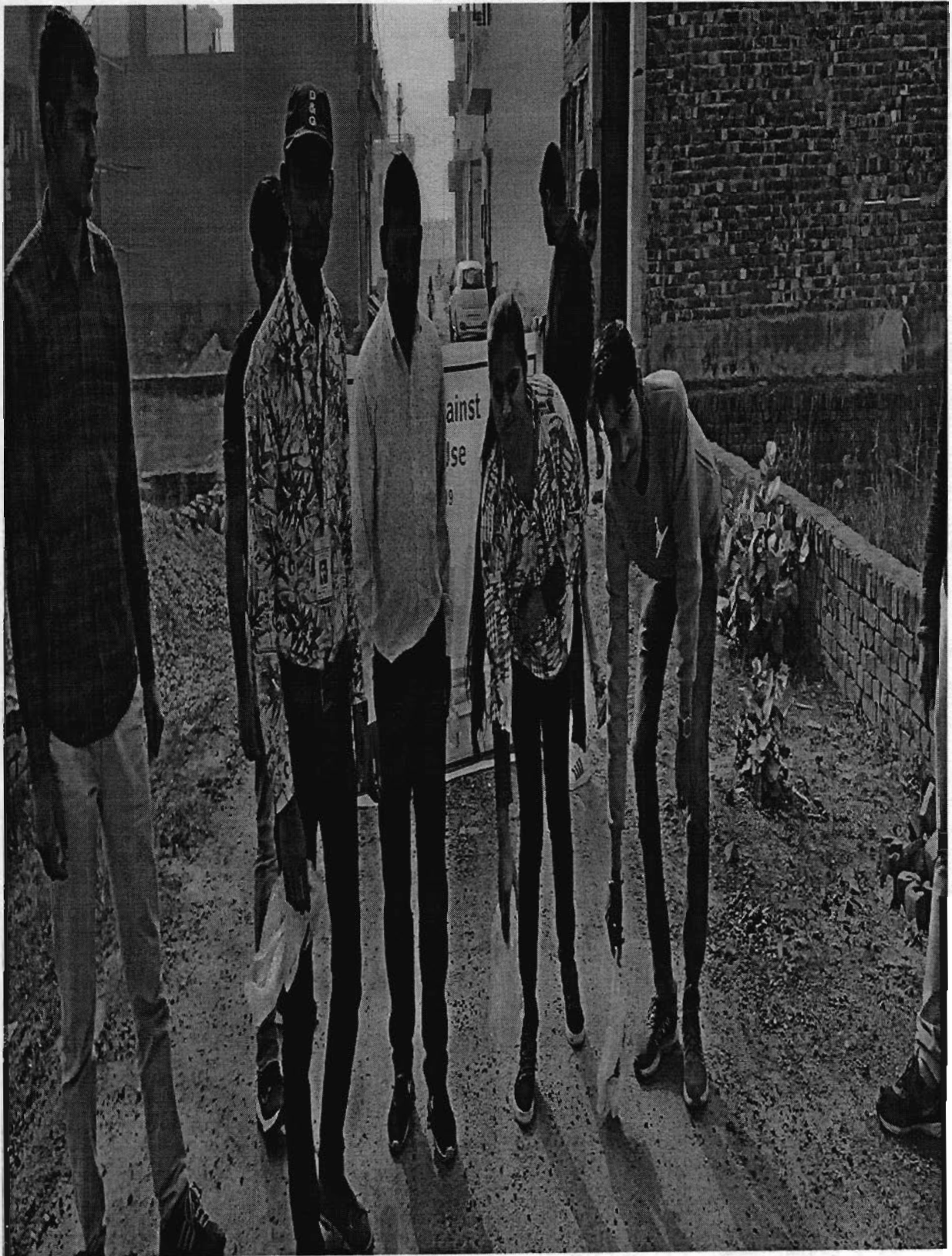
28th September 2019

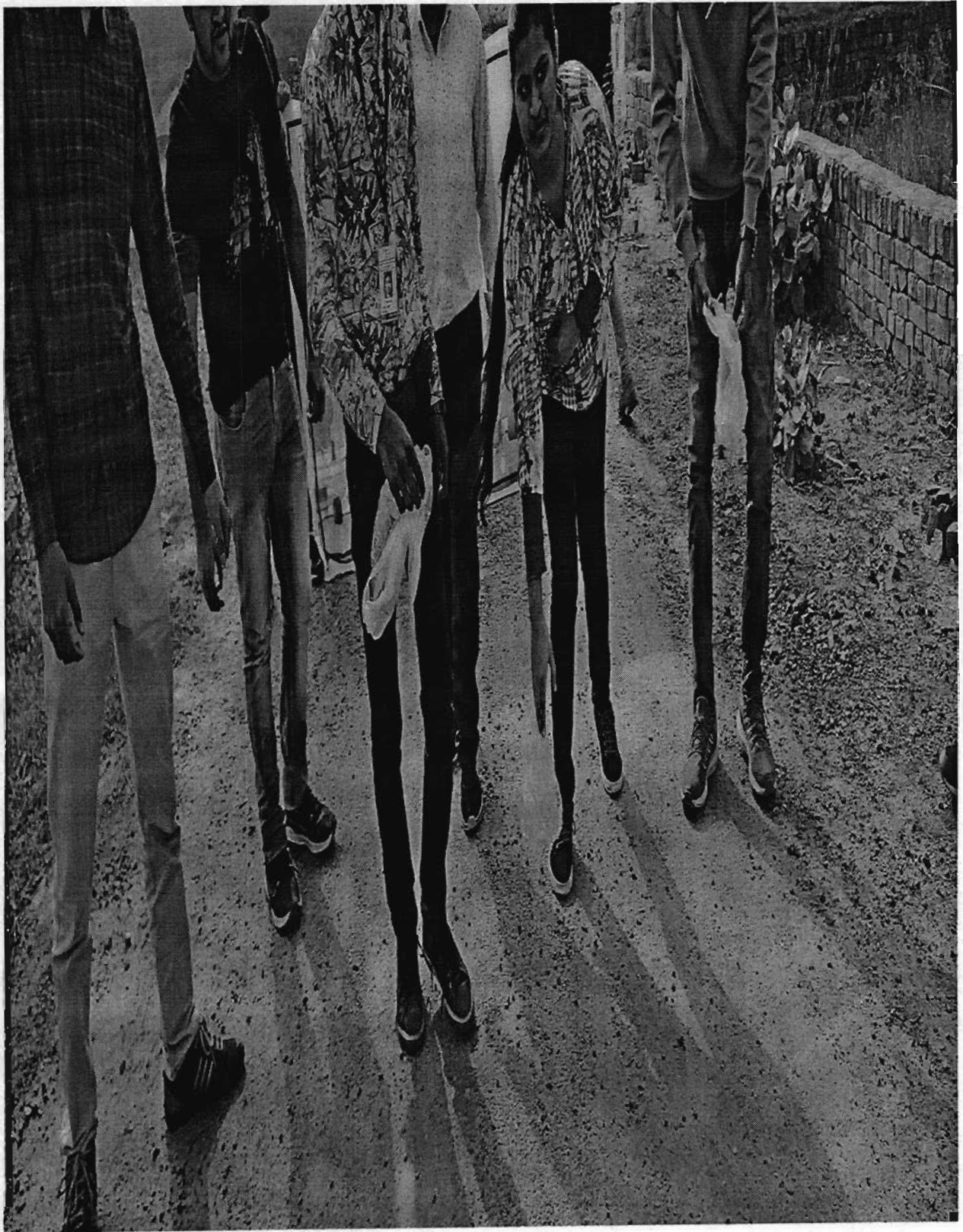
Plastic because it is cheap and serves a lot of applications. Owing to this non-biodegradable property of plastic, it is one of the most dangerous pollutants in nature.

To lower down plastic use in its campus and also send this message to outer world to do the same, MIT have taken many a step. In the same chain to aware about plastic pollution Meerut Institute of Technology have organized a Rally on 28th September 2019 from college campus to nearby village area.

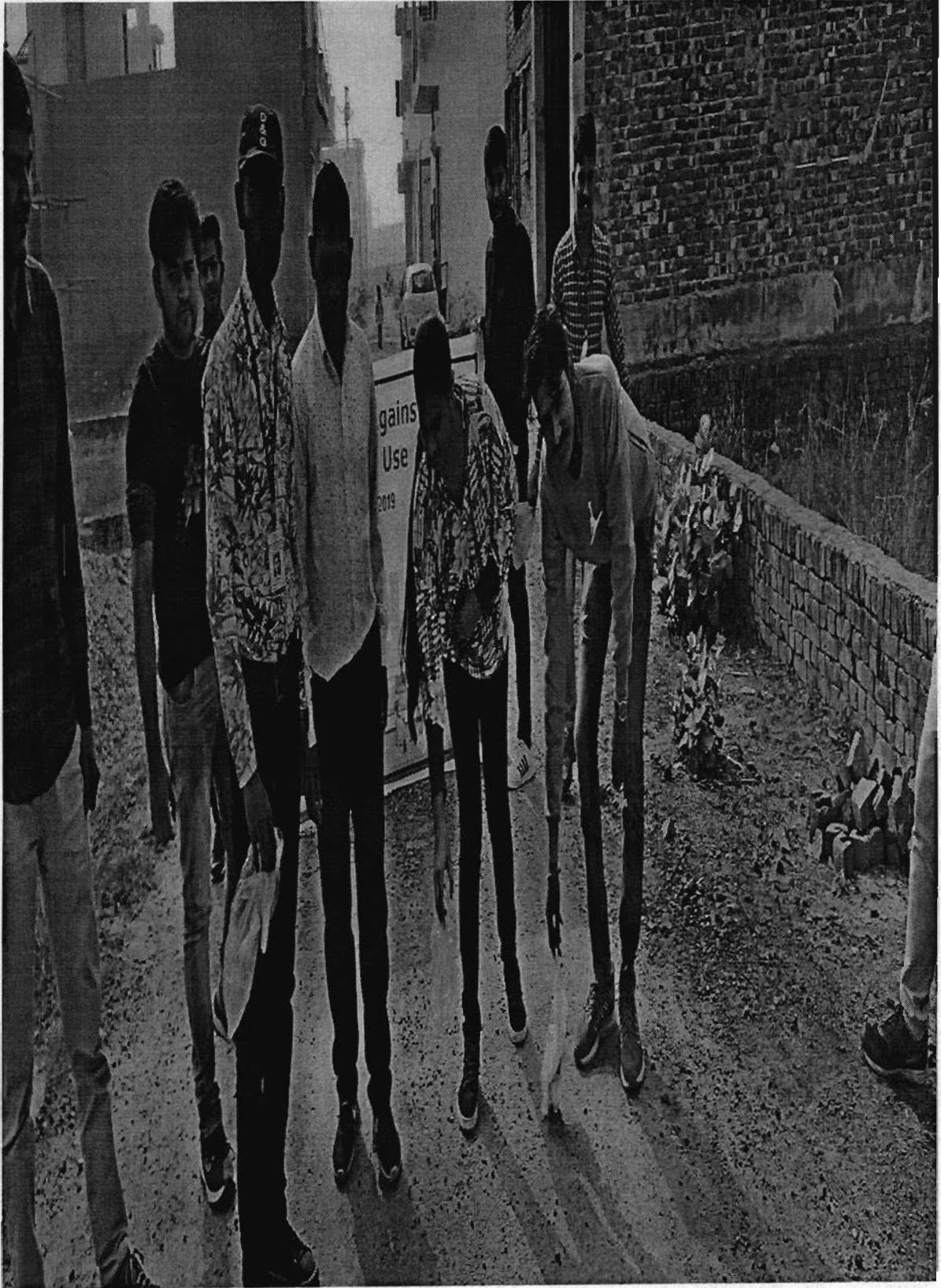
A total of 81 volunteers including student and staffs had enthusiastically participated in this rally and created awareness through slogans and poster. They motivated shopkeepers and common people to avoid use of plastic and use paper and biodegradable alternative. Shopkeepers showed positive response.











Meerut Institute of Technology, Meerut

Date: 20th April 2019

NOTICE

This is to inform all the students of MIT that our college is being organizing a camp with theme 'Joy of giving" to help poor and needy. Camp will be set up on local Street of Meerut on 27thApril 2019 from 9.00 am onwards.

Interested students can enroll their names before 27th April 2019.


Director

CC:

1. Registrar-MIT
2. Faculty –For circulation
3. Transport in-charge– for arrangement of Bus facility

Meerut Institute of Technology, Meerut

A REPORT ON JOY OF GIVING CAMP

28 April 2019

Meerut institute of technology with an instinct that the joy of giving is always greater than the joy of receiving, organized a camp on 27 April 2019 give gifts to the children of slum area and needy people.

The camp is set up in college campus as well as in nearby areas. Students were divided into groups. Each group of students went to different slum areas and distributed chocolates, pastries and smile to them.

A total of 83 students had participated. Volunteer students were very excited and enjoyed this event. The kids in slum area were very happy and appreciated this humanitarian effort of MIT institute.

अंतिम दिन बच्चों से लेकर बुजुर्गों ने लिया दान के सुख का आनंद

काफी लोगों ने किया दान, योग संस्कृति क्लब की सदस्याएं भी आगे रहीं

अमर उजाला ब्यूरो

मेरठ। अमर उजाला दान का सुख अभियान के अंतिम दिन बुधवार को हर वर्ग के लोगों ने खुलकर सामान दान किया। बच्चे, महिला, पुरुष, बुजुर्ग सभी अपनी क्षमता के अनुसार सामान दान करने कलेक्शन सेंटरों पर पहुंचे। गर्म कपड़े, खाद्य सामग्री, कंबल, खिलौने व स्टेशनरी का दान लोगों ने किया। एमआईईटी व क्लॉथ बैंक के सहयोग से यह अभियान चलाया गया। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ

अमर उजाला
दान का सुख

टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने गर्म कपड़े, स्टेशनरी दान की। रजिस्टार सत्येंद्र कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर

सुरेश कुमार हंस, मोहित सक्सेना, स्वाति शर्मा आदि मौजूद रहे। एमआईईटी स्कूल पल्लवपुरम के बच्चों ने दान का सुख अभियान में स्टेशनरी, गर्म कपड़े, पैकिंग फूड इत्यादि दान किया इस दौरान हेडमिस्ट्रेस सदफ खान व स्टाफ मौजूद रहा। योग संस्कृति क्लब शास्त्रीनगर की सदस्याओं ने भी दान के सुख का आनंद लिया। योग साधिकाएं मिलकर शास्त्रीनगर नवयुग साइज के कलेक्शन सेंटर पर पहुंची। जहां सामान दान किया। सीमा अदलखा सहित निशा सक्सेना, सीमा सागर व अन्य योग साधिकाएं उपस्थित रहीं।

इन स्थानों पर किया दान दान करने के इच्छुक लोगों ने अमर उजाला कार्यालय दिल्ली रोड और बच्चा पार्क सिटी सेंटर, आईआईएमटी गंगानगर, कविता साइज सक्केत, मुल्तानी आबूलेन, सत्यम फर्नीचर कंकरखेड़ा, पल्लवपुरम चौहान मार्केट, नवयुग साइज नई सड़क पर बने कलेक्शन सेंटर में दान किया।



नई सड़क नवयुग साइज कलेक्शन सेंटर पर अमर उजाला दान का सुख अभियान के तहत योग संस्कृति क्लब की महिलाओं ने दान किया। - अमर उजाला



एमआईईटी की छात्राओं ने अभियान में किया दान। - अमर उजाला

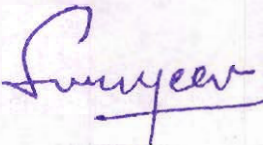
Meerut Institute of Technology, Meerut

Date: 1st Oct 2018

NOTICE

This is to inform all the students of MIT that, in accordance to the nation-wide Swachh Bharat Cleanliness Campaign launched by Govt. of India, MIT has initiated an “Swachh Bharat Cleanliness Campaign” to create awareness in nearby village on 3rd Oct 2018 from 10.00 am onwards.

Interested students can enroll their names before 3rd Oct 2018.


Director

CC:

1. Registrar-MIT
2. Faculty –For circulation
3. Transport In-charge– for arrangement of Bus facility

Meerut Institute of Technology, Meerut

A REPORT ON

“Swachh Bharat Swachh Meerut Abhiyaan’

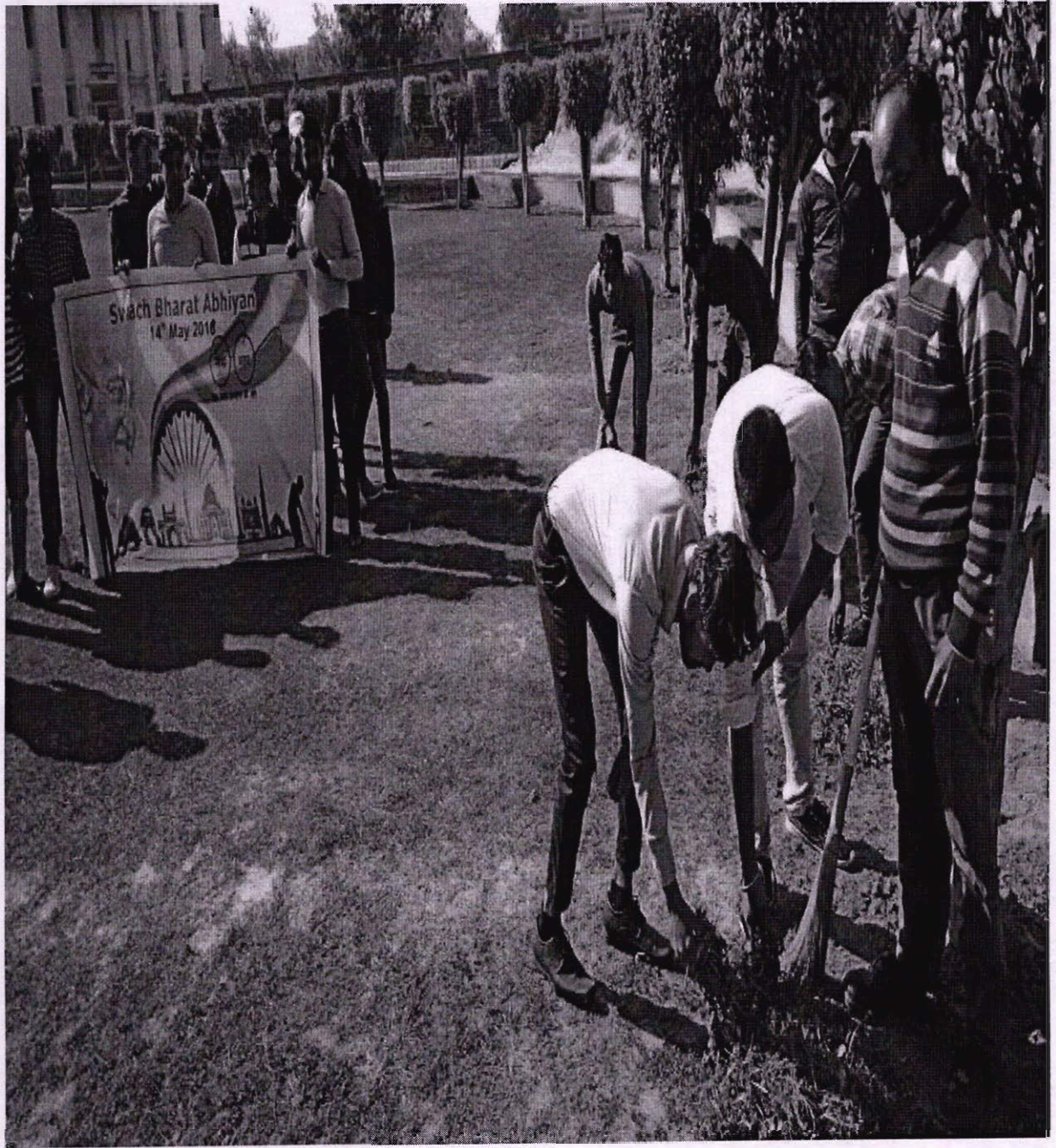
5th Oct 2018

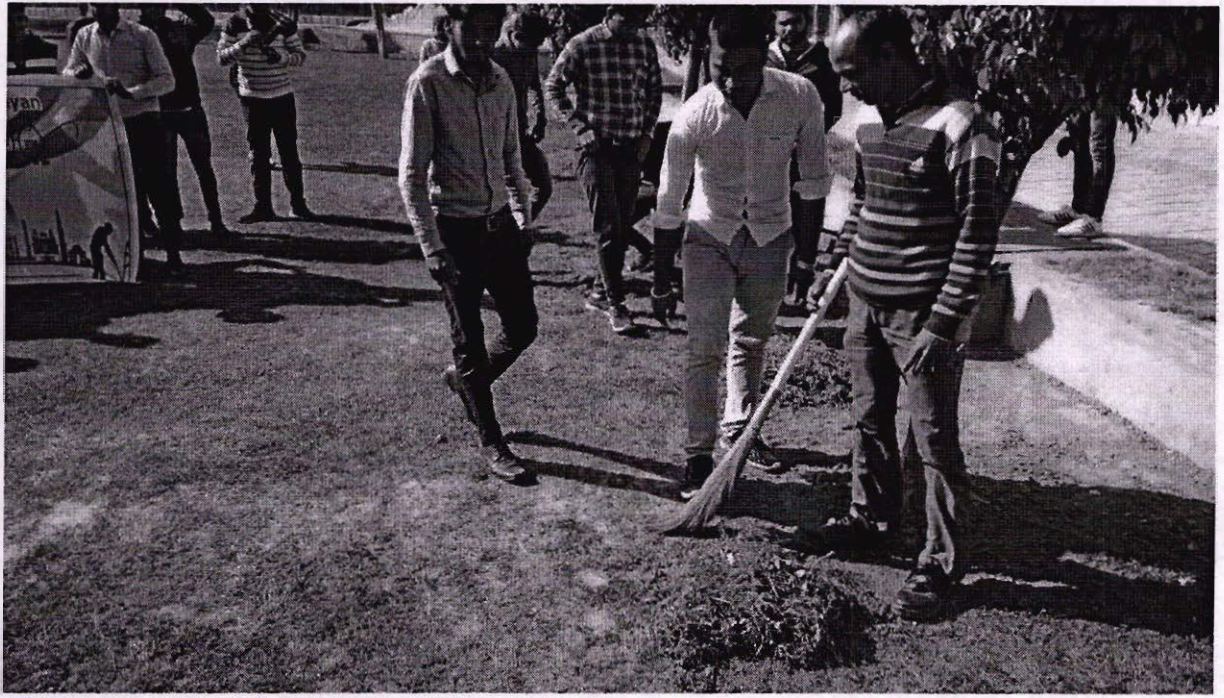
Inspired by Bapu's vision, on 2nd October 2014, the Indian government under the leadership of Shri Narendra Modi made it a mission to make India clean by 2019 by eradicating open defecation, improving solid waste management and making the citizens aware of the importance of cleanliness. In accordance to the nation-wide Swachh Bharat Cleanliness Campaign launched by Prime Minister, Meerut Institute of Technology undertook cleanliness drive on 3rd Oct 2018.

Principal Dr. Neeraj Kant Sharma along with staff & students were actively involved in the cleanliness drive. The students took a pledge to clean their school, homes, public places & surroundings.

To create awareness among public of nearby village, 64 students had initiated an awareness rally and given handy tips to keep their surroundings clean, they enthusiastically took up brooms and garbage bags to clean up every nook and corner grounds, parking lot and nearby areas.

The whole drive was quite inspiring and motivating for the staff and students and village persons in specific and made them aware of the dignity of labor.





Meerut Institute of Technology, Meerut

Date: 28th Sep,2018

NOTICE

All the students are hereby informed that on the occasion of “National Voluntary Blood Donation Day” that our college is going to organize a blood donation camp in collaboration with District Hospital, Meerut, on 1st of October 2018.

Students who are interested can participate in this auspicious event and help others.

Certificates will be given to the volunteers who have donated blood.


Director

CC:

1. Registrar-MIT
2. Faculty –For circulation
3. Mr. Transport In-charge– for arrangement of Bus facility

Meerut Institute of Technology, Meerut

A REPORT ON

Blood Donation Camp

2nd October 2018

On the occasion of "National Voluntary Blood Donation Day" a blood donation camp was organized at Meerut Institute of Technology, NH-58, Baral Partapur, Meerut on 01 October 2018.

The camp was organized in collaboration with P. L. Sharma District Hospital, Meerut, under the supervision and guidance of Dr Kaushlendra Singh (In-charge, Blood bank, P.L. Sharma District Hospital, Meerut).

The program was jointly inaugurated by Dr. Himanshu Sharma (Principal-MIT PC) and Dr. Aanchal (P. L. Sharma District Hospital, Meerut).

Shri Vishnu Sharan (Chairman, Meerut Institute of Technology) Quoted "Raktdaan Mahadaan" and said that 'this is a good initiative to serve for the community and it works as life savior for the people who actually need it in emergency.

All the students and staff members of Meerut Institute of Technology enthusiastically took part in the camp and total 77-unit blood was donated for the noble cause to save the life of desirous people.





छात्र-छात्राओं ने किया रक्तदान

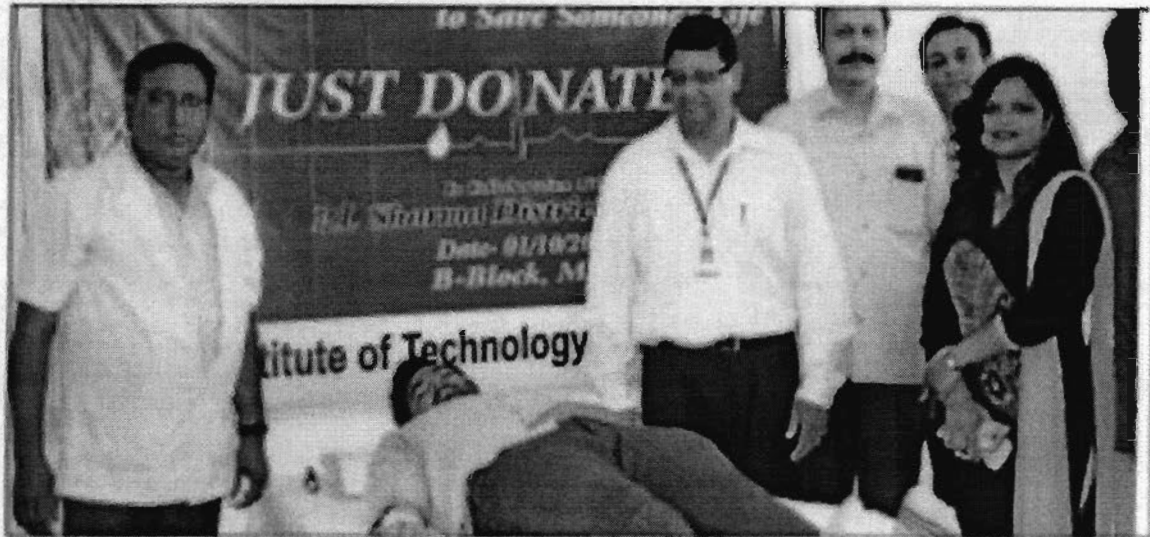
मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर 77 छात्र-छात्राओं ने 77 यूनिट ब्लड डोनेट किया। पीएल शर्मा द्वारा हुए रक्तदान शिविर में चेयरमैन विष्णु शरण ने छात्र-छात्राओं से ब्लड डोनेट करने की अपील की। शिविर में डॉ.कौशलेंद्र सिंह, डॉ.आंचल, डॉ.संजीव माहेश्वरी, डॉ.हिमांशु शर्मा, डॉ.नीरजकांत शर्मा और अजय चौधरी मौजूद रहे।

एमआईटी में रक्तदान शिविर का आयोजन

मेरठ (प्रभात) । परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के तत्वधान में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें कॉलेज के छात्र शिक्षक व समस्त स्टाफने उत्साहपूर्वक बढ चढकर भाग लिया । 77 छात्र-छात्राओं ने ब्लड डोनट किया । इस मौके पर 77 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया । रक्तदान शिविर पीएल शर्मा जिला चिकित्सालय के सहयोग से किया गया । इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के रक्तकोष प्रभारी डॉ कौशलेंद्र सिंह, डॉ आंचल आदि का सहयोग रहा । संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण ने कहा रक्तदान महादान है जिससे अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए रक्तदान शिविर एक सराहनीय पहल है। इस अवसर पर एमआईटी डायरेक्टर डॉ संजीव माहेश्वरी, प्रिंसिपल डॉ हिमांशु शर्मा, डी.फार्मा प्रिंसिपल नीरज कांत शर्मा, कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर अजय चौधरी मौजूद रहे ।



एमआईटी में रक्तदान शिविर का आयोजन



मेरठ, 2 अक्टूबर। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के तत्त्वधान में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस 1 अक्टूबर 2018 के उपलक्ष्य में विशेष स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के छात्र, शिक्षक व समस्त स्टाफ ने उत्साहपूर्वक बड़ चढ़कर भाग लिया। 77 छात्र-छात्राओं ने ब्लड डोनट किया। इस मौके पर 77 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। रक्तदान शिविर पी.एल. शर्मा जिला चिकित्सालय के सहयोग से किया

गया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के रक्तकोष प्रभारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, डॉ. आंचल आदि का सहयोग रहा। संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण ने कहा रक्तदान महादान है, जिससे अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं, जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए रक्तदान शिविर एक सराहनीय पहल है। इस अवसर पर एमआईटी डायरेक्टर डॉ. संजीव माहेश्वरी, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, डी.फार्मा प्रिंसिपल नीरज कांत शर्मा, कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर अजय चौधरी मौजूद रहे।



A REPORT ON
“Voter’s Awareness Program”

26th September 2018

Meerut Institute of Technology had organized a one-day seminar on voting Awareness to promote and motivate youth and adults for Voting.

SDM Sadar Mrs. Nisha Anand gave the students voting related information in a seminar under Voting Awareness at Meerut Institute of Technology (MIT). SDM said that the government has started the National Voter Service Portal to make students aware by running a special scheme, in which students who have turned 18 on January 1, 2018, they can get their voter ID card by going to NVSP portal and registering themselves. He also appealed to the youth to become voters for participation in democracy, so that healthy democracy can be established by participating in democracy. Gave guidelines for students related to voters.

On this occasion Lekhpal Prahalad Singh, Chairman Vishnu Sharan, Vice-Chairman Puneet Aggarwal, Director Dr. Sanjeev Maheshwari, Ajay Chaudhary were present.



युवा बनें जागरूक मतदाता



मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में एसडीएम सदर निशा आनंद ने छात्रों को मतदान जागरूकता का पाठ पढ़ाया। सेमिनार में उन्होंने कहा कि सरकार ने एक विशेष योजना चला कर छात्रों को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल शुरू किया है, जिसमें युवा विद्यार्थी जो 18 वर्ष के हो गए हैं वह एनवीएसपी पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कराकर मतदाता पहचान पत्र बनवा सकते हैं। छात्रों को मतदाता संबंधित दिशा निर्देश दिए। लेखपाल प्रहलाद सिंह, चेयरमैन विष्णु शरण, उपाध्यक्ष पुनीत अग्रवाल, डायरेक्टर डॉ. संजीव माहेश्वरी व अजय चौधरी मौजूद रहे।



NEWS FIRST TODAY

वोट बनवाकर लोकतंत्र में भागीदार बने युवा पीढ़ी : निशा अनंत



मेरठ (एनएफटी रिपोर्टर)। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में छात्रों को एसडीएम सदर निशा आनंद ने मतदान जागरूकता के अंतर्गत एक सेमिनार में मतदान सम्बंधित जानकारियां दी। एसडीएम ने बताया कि सरकार ने एक विशेष योजना चलाकर छात्रों को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल शुरू किया है, जिसमें जो छात्र-छात्राएं एक जनवरी 2018 को 18 वर्ष के हो गए हैं, वह एनवीएसपी पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कराकर मतदाता पहचान पत्र बनवा सकते हैं। साथ ही उन्होंने युवाओं से लोकतंत्र में भागीदारी के लिए मतदाता बनने की अपील की, जिससे लोकतंत्र में सहभागिता करते हुए स्वस्थ लोकतंत्र की स्थापना की जा सके। छात्रों को मतदाता संबंधित हेतु दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर लेखपाल प्रहलाद सिंह, चेयरमैन विष्णुशरण, उपाध्यक्ष पुनीत अग्रवाल, डायरेक्टर डॉ. संजीव माहेश्वरी, अजय चौधरी मौजूद रहे।



Meerut Institute of Technology, Meerut

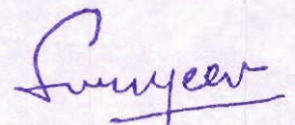
Date: 28/06/2017

NOTICE

This is to inform to all the students of MIT, that our college has initiated an awareness program for "Plastic Mukt Meerut" to create awareness among villagers and to motivate them to opt other eco-friendly alternatives.

Rally will commence from college premises on 1st July 2017 from 10:30 am onwards.

Interested students can enroll their names before 1st July 2017.


Director

CC:

1. Registrar-MIT
2. Faculty -For circulation
3. Mr. Transport In-charge- for arrangement of Bus facility

Meerut Institute of Technology, Meerut

A REPORT ON

“Plastic Mukt Meerut”

3rd July 2017

Plastic has found its use in every sector of the economy – beginning from supermarkets to households. It is user-friendly and is in use for almost any purpose. It is because it is cheap and serves a lot of applications. On the other hand, plastic is a non-biodegradable material; that is, it cannot be dissolved or burnt out; it can only be dumped – this means that it remains on the surface of the earth forever; it is not destructible. Owing to this non-biodegradable property of plastic, it is one of the most dangerous pollutants in nature.

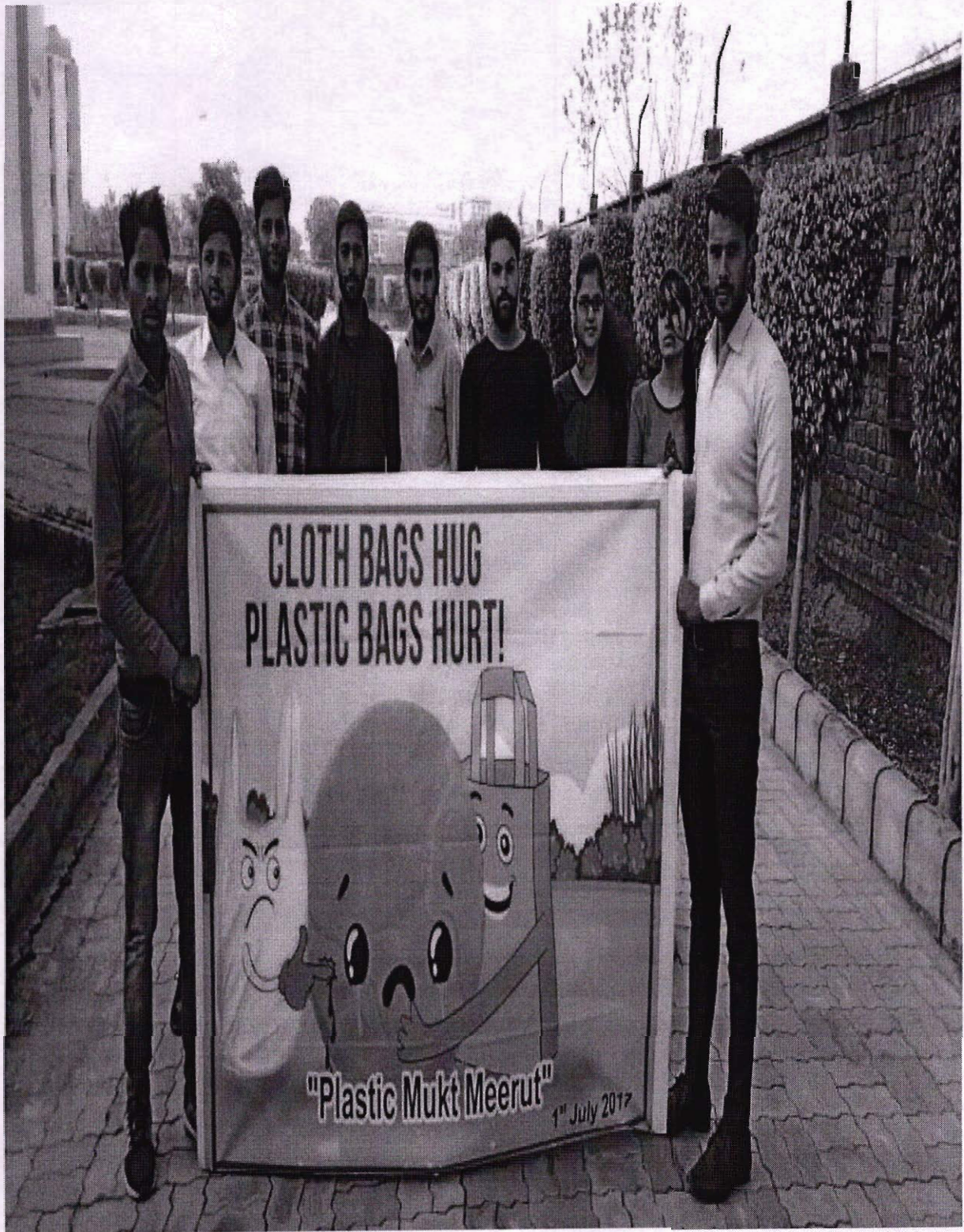
To lower down plastic use in its campus and also send this message to outer world to do the same, MIT have taken many a step. In the same chain to aware about plastic pollution Meerut Institute organized a Rally on 1st July 2017 from college campus to nearby village area. 78 volunteers including student and staffs had enthusiastically participated in this rally and created awareness through slogans and poster. They motivated shopkeepers and common people to avoid use of plastic and use paper and biodegradable alternative. Villagers and shopkeepers showed positive response.



CLOTH BAGS HUG
PLASTIC BAGS HURT!

"Plastic Mukt Meerut"

1st July 2017



Meerut Institute of Technology, Meerut

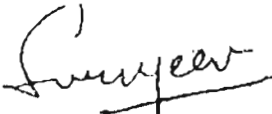
Date: 18/03/2017

NOTICE

This is to inform to all the students of MIT, that Tree Plantation event is being organized at MIT campus and nearby area of college in Meerut on Saturday, 21st March 2017 from 8.00 am to 10.00 am.

All students are hereby requested to be present on this auspicious occasion. Plant saplings will be provided to each volunteer. Yours cooperation is highly expected.

Interested students may enroll their names before 21st march 2017.


Director

CC:

1. Registrar-MIT
2. Faculty –For circulation
3. Mr. Transport In-charge– for arrangement of Bus facility

Meerut Institute of Technology, Meerut

A REPORT ON

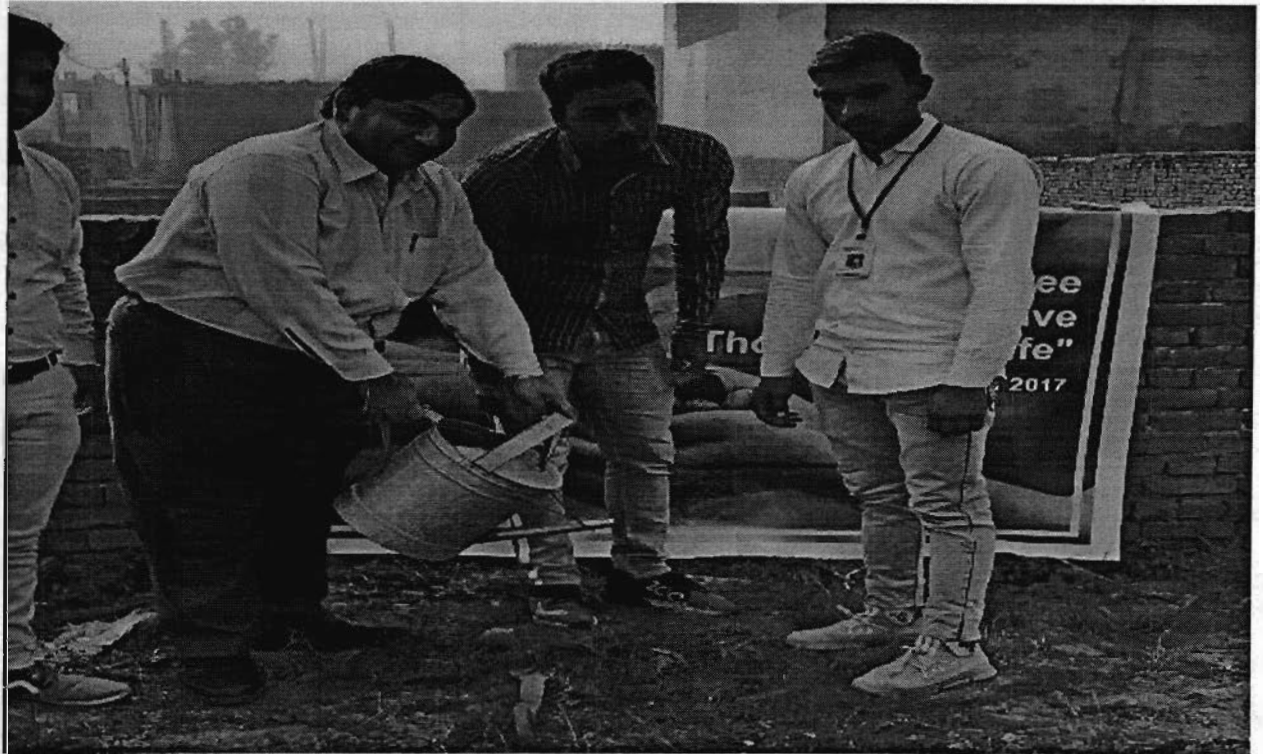
TREE PLANTATION DRIVE

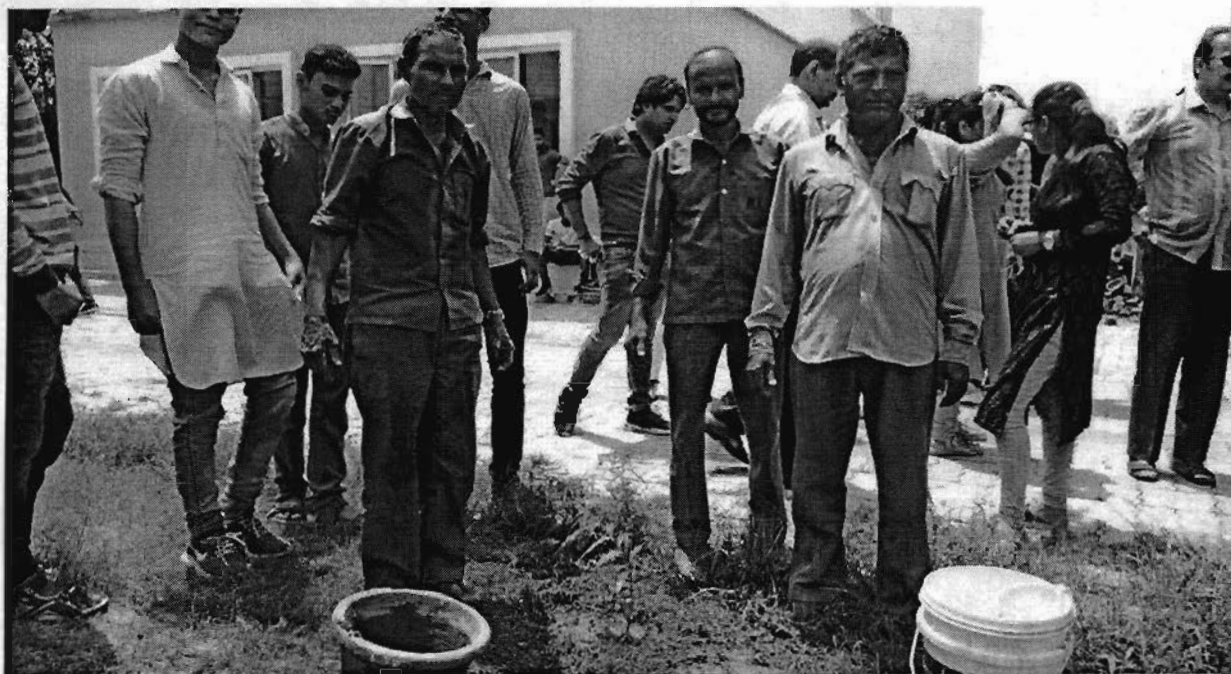
22nd march 2017

The importance of trees in purifying the air, reducing global warming, preventing soil erosion, conservation of water, maintaining the ecological balance, providing natural resources as medicines, habitats for faunal species, providing nutrients to the soil etc. is well known. Unfortunately, the forest cover in the country is dwindling and the reducing number of plants and trees in the city is causing a rise in pollution levels at an alarming rate. Keeping this in mind Meerut Institute of Technology, conducted a tree plantation drive at MIT campus and nearby area on 21st march 2017.

Around 10 Neem trees were planted with some Ashoka and Tulsi saplings by the volunteers. A total of 111 Students of MIT along with the teacher in charge, Mr. Kailash Nath Tripathi enjoyed, not only the tree plantation but also contributed to the environment by removing plastic garbage from the area. By distributing snacks to all present for this noble cause.







एमआईटी ग्रुप में वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत लगाए पौधे

(अग्रज का बुलेटिन अगुल माहेस्वरी)
मेरठ । एमआईटी ग्रुप के कॉलेज मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी एवं मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के विभिन्न विभागों में वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा पौधे लगाए गए। इस दौरान एमआईटी के एमबीए विभाग में छात्रों द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। इस दौरान डीन डॉ एचओ रामचंद्रन ने छात्रों को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करके पर्यावरण की रक्षा के लिए ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करने की अपील की गई साथ ही छात्रों को वृक्षों का पर्यावरण संतुलन बनाये रखने में महत्त्व बताया गया। कहा कि पेड़ पौधे जलवायु को संतुलित रखते हैं। वृक्ष लगाने से जहाँ पर्यावरण दूषित होने से बचेंगे वहीं आम लोग को भी इससे लाभ होगा। डीन ने पर्यावरण संरक्षण का महत्त्व बताते हुए अधिकाधिक वृक्ष लगाने के अलावा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

एमआईटी परतापुर में पीटैक एन सत्र के विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण किया। इस दौरान चेयरमैन विष्णु शरण अग्रवाल प्रिंसिपल डॉ हिमांशु शर्मा,



डॉ गौरव शर्मा, पद्मवी, स्वाति शर्मा आदि मौजूद रहे।

चेयरमैन विष्णु शरण ने पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अभियान की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि पर्यावरण से ही वातावरण स्वच्छ बनेगा। पर्यावरण स्वच्छ होने पर कभी भी जल की कमी नहीं होगी। इसलिए

प्रत्येक मनुष्य को अपने घर के आसपास पौधा लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर प्रत्येक मनुष्य अपने घर के आसपास एक-एक पौधा लगाए तो कभी भी जल की कमी नहीं होगी। उन्होंने छात्रों से पौधों की आंशुधुंध कटाई पर रोक लगाने और वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने की अपील की।

फर्मेंसी विभाग के सभी छात्रों ने मिलकर वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया। इस दौरान डायरेक्टर डॉ फर्मेंसी सतीश कुमार सिंह विभागाध्यक्ष डॉ विपिन शर्मा डॉ नीरज शर्मा आदि मौजूद रहे। इस दौरान डायरेक्टर डॉ फर्मेंसी सतीश कुमार सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण से बड़ा पुण्य का और कोई कार्य नहीं है। पौधे पर्यावरण को शुद्ध करते हैं। पृथ्वी के तापमान को सामान्य रखते हैं। पेड़ पौधों से हमें आक्सीजन मिलती है। जो प्रत्येक जीव जंतु को जीवित रखने के लिए आवश्यक है। इसीलिए हमें पेड़ लगाने के साथ उनका संरक्षण भी करना चाहिए।

एमआईटी के पीटैक विभाग के एन सत्र के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्रों ने वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। इस दौरान डीन संतोष दास ने कहा कि सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना चाहिए। इसके बाद छात्र छात्राओं ने एक-एक पौधे रोपने का संकल्प लिया।

इस दौरान डीन संतोष दास, डॉ रमेश चंद, डॉ रुचि गर्ग, विभागाध्यक्ष डॉ सुनील गोयल, डॉ संदीप सिरोही,



Meerut Institute of Technology, Meerut

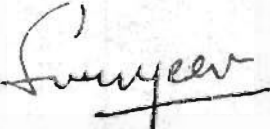
Date: 11/02/2017

NOTICE

This is to inform to all the students of MIT, that a "Donation Camp" is going to be organized by MIT Meerut on 14th Feb 2017 from 9.00 am to 5.00 pm in college campus for poor people.

Volunteers are requested come forward to donate. Donation can be in any form i.e clothes foods or monetary assistance.

Interested students can enroll their names and their assistance before 13th Feb 2017.


Director

CC:

1. Registrar-MIT
2. Faculty –For circulation
3. Mr. Transport In-charge– for arrangement of Bus facility




Meerut Institute of Technology, Meerut


A REPORT ON DONATION CAMP

14th Feb 2017


Life as such is challenging and the humans have made it more complicated because life has fallen into class and categories where the rich are getting richer and the poor are dying for food. It is heart-wrenching to see this situation because people are suffering from hunger, lack of education and also some are homeless.



There are a lot of things in the world that can make us smile but nothing beats the invaluable joy of making someone happy.



On 14th Feb 2017, Meerut institute of technology with an instinct to help poor people and with the belief that this is one of the best gifts a person can give to others. organized a camp to give gifts, clothes and food to the children and needy people. Total of 64 Volunteer students participated they were very excited and enjoyed this event. It not only benefited the village, but was also instrumental in creating a platform for the students to mold their personality and to enhance their skill set. After the valediction, the students came back home with gratified souls, everlasting memories and hearts full of delight. It's rightly said that engineers build not just skyscrapers and robots, but a better world as well. The kids in slum area were very happy and appreciated this humanitarian effort of MIT institute.





Meerut Institute of Technology, Meerut

Date: 13/05/2016

NOTICE

This is to inform to all the students of MIT that our college is going to organize a rally with theme "Swachh Bharat Cleanliness" to create awareness for making India cleaner and greener.

The camp will initiated from college campus to nearby village on 14th may 2016 from 10.00 am onwards.

Interested students can enroll their names before 14th may 2016.


Director

CC:

1. Registrar-MIT
2. Faculty –For circulation
3. Mr. Transport In-charge– for arrangement of Bus facility

Meerut Institute of Technology, Meerut

A REPORT ON

“Swachh Bharat Cleanliness Campaign”

14th may 2016

India is in dire need of a cleanliness drive like Swachh Bharat Abhiyan to eradicate dirtiness. It is important for the overall development of citizens in terms of health and well-being. As the majority of the population of India lives in rural areas, it is a big problem. Generally, in these areas, people do not have proper toilet facilities. They go out in the fields or roads to excrete. This practice creates a lot of hygiene problems for citizens. Therefore, this Clean India mission can be of great help in enhancing the living conditions of these people.

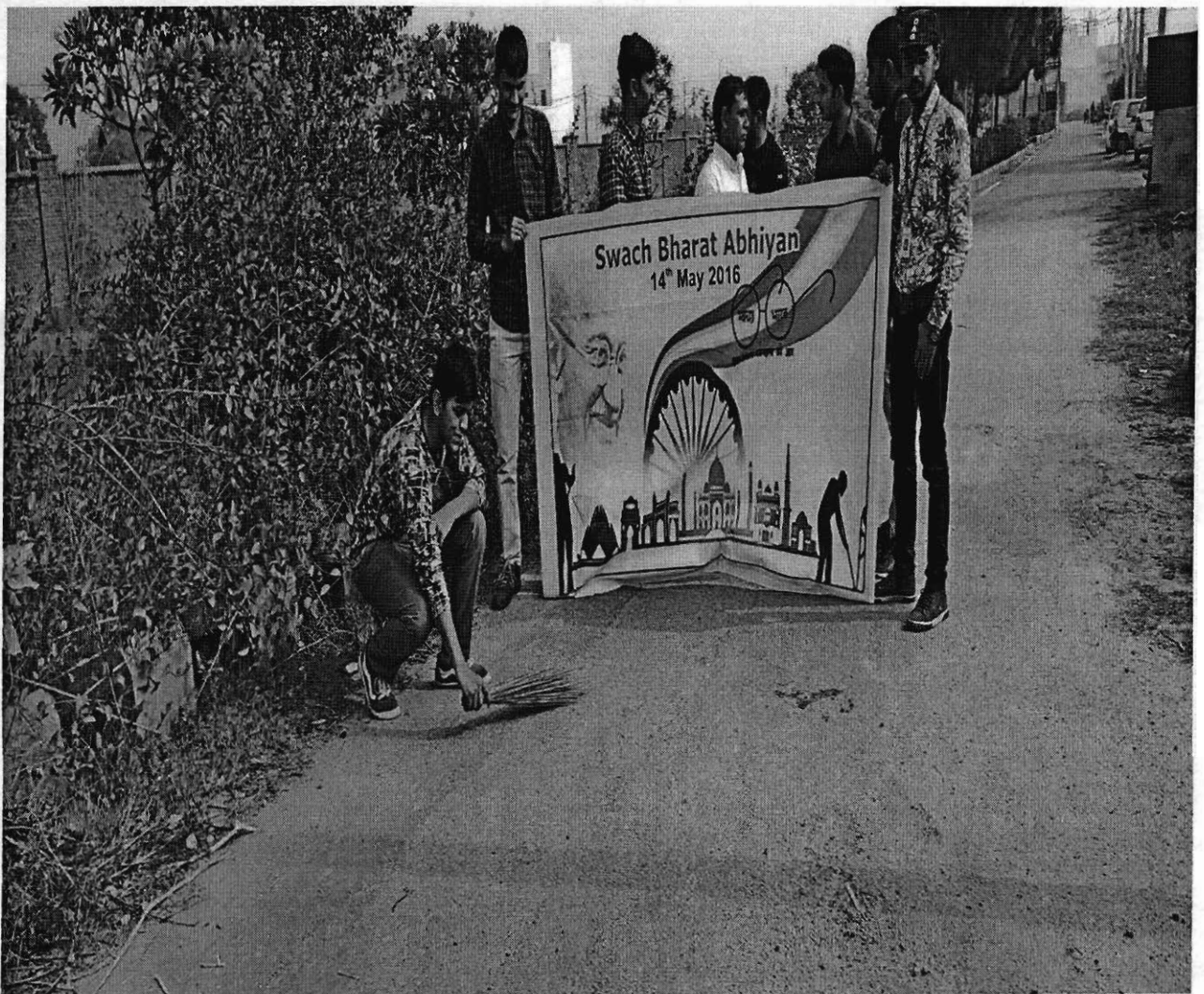
Swachh Bharat Abhiyan is a great start to make India cleaner and greener. If all the citizens could come together and participate in this drive, India will soon flourish. Moreover, when the hygienic conditions of India will improve, all of us will benefit equally.

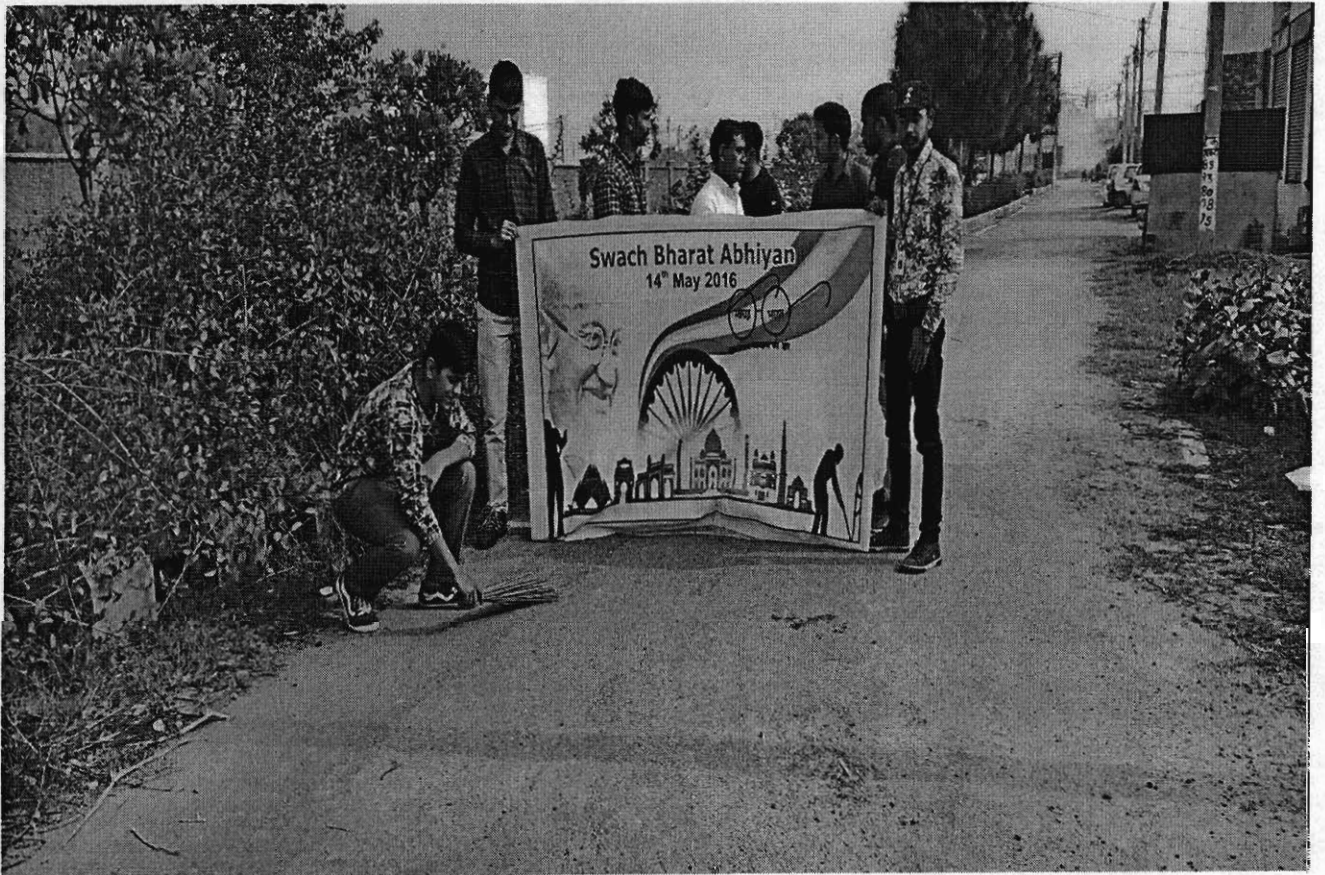
Meerut Institute of Technology undertook a cleanliness drive on 14th may 2016 in accordance to the nation-wide “Swachh Bharat Cleanliness Campaign” launched by Prime Minister. Students took a pledge to clean their school, homes, public places & surroundings.

To create awareness among public of nearby villager, students of MIT had initiated an awareness rally with posters and slogans. They also had given handy tips to villagers keep their surroundings clean.

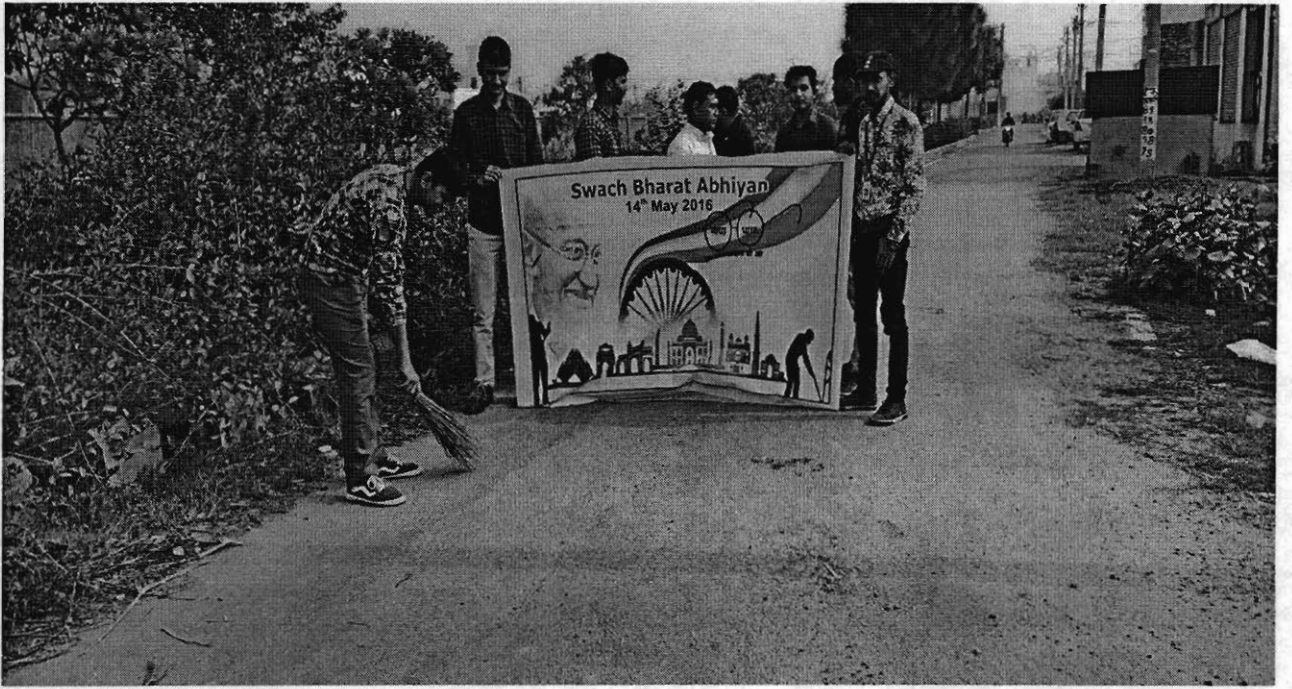
A total of 95 students and staffs enthusiastically took up brooms and garbage bags to clean up every nook and corner grounds, parking lot and nearby areas.

The whole drive was quite inspiring and motivating for the staff and students and village persons in specific and made them aware of the dignity of labor.



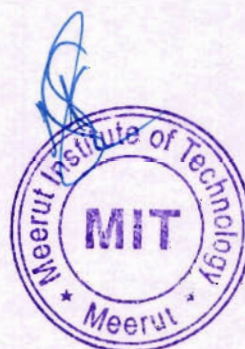






ROE- 074 Understanding the Human Being Comprehensively–Human Aspirations and its Fulfillment

ROE- 074 Understanding the Human Being Comprehensively–Human Aspirations and its Fulfillment		
Unit	Topic	Lectures
1	Introduction: The basic human aspirations and their fulfillment through Right understanding and Resolution; All-encompassing Resolution for a Human Being, its details and solution of problems in the light of Resolution.	8
2	Understanding Human being and its expansion: The domain of right understanding starts from understanding the human being (the knower, the experiencer and the doer); and extends up to understanding nature/existence – its interconnectedness and co-existence; and finally understanding the role of human being in existence (human conduct).	8
3	Activities of the Self: Understanding the human being comprehensively is the first step and the core theme of this course; human being as co-existence of the self and the body; the activities and potentialities of the self; Reasons for harmony/contradiction in the self.	8
4	Understanding Co-existence with other orders: The need and the process of inner evolution (through self-exploration, self- awareness and self-evaluation)- particularly awakening to activities of the Self: Realization, Understanding and Contemplation in the Self (Realization of Co-Existence, Understanding of Harmony in Nature and Contemplation of Participation of Human in this harmony/ order leading to comprehensive knowledge about the existence	8
5	Expansion of harmony from self to entire existence: Understanding different aspects of All-encompassing Resolution (understanding, wisdom, science etc.), Holistic way of living for Human Being with All-encompassing Resolution covering all four dimensions of human endeavour viz., realization, thought, behaviour and work (participation in the larger order) leading to harmony at all levels from self to Nature and entire Existence..	8



CONSTITUTION OF INDIA, LAW AND ENGINEERING

L: T: P: 2: 0:0

Module 1--Introduction and Basic Information about Indian Constitution:

Meaning of the constitution law and constitutionalism, Historical Background of the Constituent Assembly, Government of India Act of 1935 and Indian Independence Act of 1947, Enforcement of the Constitution, Indian Constitution and its Salient Features, The Preamble of the Constitution, Fundamental Rights, Fundamental Duties, Directive Principles of State Policy, Parliamentary System, Federal System, Centre-State Relations, Amendment of the Constitutional Powers and Procedure, The historical perspectives of the constitutional amendments in India, Emergency Provisions: National Emergency, President Rule, Financial Emergency, and Local Self Government – Constitutional Scheme in India.

Module 2-Union Executive and State Executive:

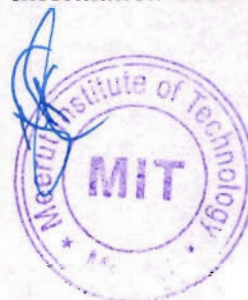
Powers of Indian Parliament Functions of Rajya Sabha, Functions of Lok Sabha, Powers and Functions of the President, Comparison of powers of Indian President with the United States, Powers and Functions of the Prime Minister, Judiciary – The Independence of the Supreme Court, Appointment of Judges, Judicial Review, Public Interest Litigation, Judicial Activism, LokPal, Lok Ayukta, The Lokpal and Lok ayuktas Act 2013, State Executives – Powers and Functions of the Governor, Powers and Functions of the Chief Minister, Functions of State Cabinet, Functions of State Legislature, Functions of High Court and Subordinate Courts.

Module 3- Introduction and Basic Information about Legal System:

The Legal System: Sources of Law and the Court Structure: Enacted law -Acts of Parliament are of primary legislation, Common Law or Case law, Principles taken from decisions of judges constitute binding legal rules. The Court System in India and Foreign Courtiers (District Court, District Consumer Forum, Tribunals, High Courts, Supreme Court). Arbitration: As an alternative to resolving disputes in the normal courts, parties who are in dispute can agree that this will instead be referred to arbitration. Contract law, Tort, Law at workplace.

Module 4- Intellectual Property Laws and Regulation to Information:

Intellectual Property Laws: Introduction, Legal Aspects of Patents, Filing of Patent Applications, Rights from Patents, Infringement of Patents, Copyright and its Ownership, Infringement of Copyright, Civil Remedies for Infringement, Regulation to Information- Introduction, Right to Information Act, 2005, Information Technology Act, 2000, Electronic Governance, Secure Electronic Records and Digital Signatures, Digital Signature Certificates, Cyber Regulations Appellate Tribunal, Offences, Limitations of the Information Technology Act.



Module 5 -Business Organizations and E-Governance:

Sole Traders, Partnerships: Companies: The Company's Act: Introduction, Formation of a Company, Memorandum of Association, Articles of Association, Prospectus, Shares, Directors, General Meetings and Proceedings, Auditor, Winding up.

E-Governance and role of engineers in E-Governance, Need for reformed engineering serving at the Union and State level, Role of I.T. professionals in Judiciary, Problem of Alienation .

Suggested Readings:

- Brij Kishore Sharma: *Introduction to the Indian Constitution*, 8th Edition, PHI Learning Pvt. Ltd.
- Granville Austin: *The Indian Constitution: Cornerstone of a Nation (Classic Reissue)*, Oxford University Press.
- S.G Subramanian: *Indian Constitution and Indian Polity*, 2nd Edition, Pearson Education 2020.
- Subhash C. Kashyap: *Our Constitution: An Introduction to India's Constitution and constitutional Law*, NBT, 2018.
- Madhav Khosla: *The Indian Constitution*, Oxford University Press.
- PM Bakshi: *The Constitution of India*, Latest Edition, Universal Law Publishing.
- V.K. Ahuja: *Law Relating to Intellectual Property Rights* (2007)
- Suresh T. Viswanathan: *The Indian Cyber Laws*, Bharat Law House, New Delhi-88
- P. Narayan: *Intellectual Property Law*, Eastern Law House, New Delhi
- Prabudh Ganguli: *Gearing up for Patents: The Indian Scenario*, Orient Longman.
- BL Wadehra: *Patents, Trademarks, Designs and Geological Indications Universal*



**A Foundation course
In
Universal Human Values and Professional Ethics**

Course Syllabus: Universal Human Values and Professional Ethics [L-T-P: 3-0-0]

UNIT 1: Course Introduction - Need, Basic Guidelines, Content and Process for Value Education

1. Understanding the need, basic guidelines, content and process for Value Education
2. Self Exploration—what is it? - its content and process; 'Natural Acceptance' and Experiential Validation- as the mechanism for self exploration
3. Continuous Happiness and Prosperity- A look at basic Human Aspirations
4. Right understanding, Relationship and Physical Facilities- the basic requirements for fulfillment of aspirations of every human being with their correct priority
5. Understanding Happiness and Prosperity correctly- A critical appraisal of the current scenario
6. Method to fulfill the above human aspirations: understanding and living in harmony at various level

UNIT 2: Understanding Harmony in the Human Being - Harmony in Myself!

1. Understanding human being as a co-existence of the sentient 'I' and the material 'Body'
2. Understanding the needs of Self ('I') and 'Body' - *Sukh* and *Suvidha*
3. Understanding the Body as an instrument of 'I' (I being the doer, seer and enjoyer)
4. Understanding the characteristics and activities of 'I' and harmony in 'I'
5. Understanding the harmony of I with the Body: *Sanyam* and *Swasthya*; correct appraisal of Physical needs, meaning of Prosperity in detail
6. Programs to ensure *Sanyam* and *Swasthya*
- Practice Exercises and Case Studies will be taken up in Practice Sessions.

UNIT 3: Understanding Harmony in the Family and Society- Harmony in Human-Human Relationship

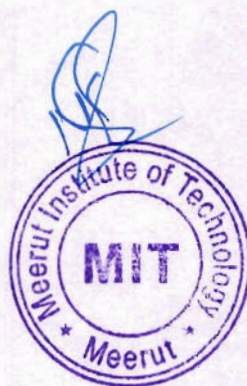
1. *Understanding Harmony in the family – the basic unit of human interaction*
2. Understanding values in human-human relationship; meaning of *Nyaya* and program for its fulfillment to ensure *Ubhay-tripti*; Trust (*Vishwas*) and Respect (*Samman*) as the foundational values of relationship
3. Understanding the meaning of *Vishwas*; Difference between intention and competence
4. Understanding the meaning of *Samman*, Difference between respect and differentiation; the other salient values in relationship
5. Understanding the harmony in the society (society being an extension of family): *Samadhan*, *Samridhi*, *Abhay*, *Sah-astitva* as comprehensive Human Goals
6. Visualizing a universal harmonious order in Society- Undivided Society (*Akhand Samaj*), Universal Order (*Sarvabhaum Vyavastha*) - from family to world family!
- Practice Exercises and Case Studies will be taken up in Practice Sessions.

UNIT 4: Understanding Harmony in the Nature and Existence - Whole existence as Co-existence

7. Understanding the harmony in the Nature
8. Interconnectedness and mutual fulfillment among the four orders of nature- recyclability and self-regulation in nature
9. Understanding Existence as Co-existence (*Sah-astitva*) of mutually interacting units in all-pervasive space
10. Holistic perception of harmony at all levels of existence
- Practice Exercises and Case Studies will be taken up in Practice Sessions.

In addition, the following reference books may be found useful for supplementary reading in connection with different parts of the course:

1. B L Bajpai, 2004, *Indian Ethos and Modern Management*, New Royal Book Co., Lucknow. Reprinted 2008.
2. PL Dhar, RR Gaur, 1990, *Science and Humanism*, Commonwealth Publishers.
3. Sussan George, 1976, *How the Other Half Dies*, Penguin Press. Reprinted 1986, 1991
4. Ivan Illich, 1974, *Energy & Equity*, The Trinity Press, Worcester, and HarperCollins, USA
5. Donella H. Meadows, Dennis L. Meadows, Jorgen Randers, William W. Behrens III, 1972, *limits to Growth*, Club of Rome's Report, Universe Books.
6. Subhas Palekar, 2000, *How to practice Natural Farming*, Pracheen(Vaidik) Krishi Tantra Shodh, Amravati.
7. A Nagraj, 1998, *Jeevan Vidya ek Parichay*, Divya Path Sansthan, Amarkantak.
8. E.F. Schumacher, 1973, *Small is Beautiful: a study of economics as if people mattered*, Blond & Briggs, Britain.
9. A.N. Tripathy, 2003, *Human Values*, New Age International Publishers.



UNIT 5: Implications of the above Holistic Understanding of Harmony on Professional Ethics

11. Natural acceptance of human values
12. Definitiveness of Ethical Human Conduct
13. Basis for Humanistic Education, Humanistic Constitution and Humanistic Universal Order
14. Competence in professional ethics:
 - a) Ability to utilize the professional competence for augmenting universal human order
 - b) Ability to identify the scope and characteristics of people-friendly and eco-friendly production systems,
 - c) Ability to identify and develop appropriate technologies and management patterns for above production systems.
15. Case studies of typical holistic technologies, management models and production systems
16. Strategy for transition from the present state to Universal Human Order:
 - a) At the level of individual: as socially and ecologically responsible engineers, technologists and managers
 - b) At the level of society: as mutually enriching institutions and organizations

Guidelines and Content for Practice Sessions

UNIT 1: Course Introduction - Need, Basic Guidelines, Content and Process for Value Education

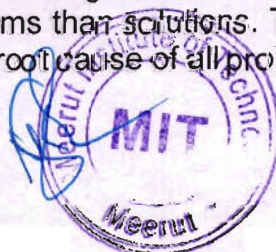
PS 1: Introduce yourself in detail. What are the goals in your life? How do you set your goals in your life? How do you differentiate between right and wrong? What have been your achievements and shortcomings in your life? Observe and analyze them.

Expected outcome: the students start exploring themselves; get comfortable to each other and to the teacher and start finding the need and relevance for the course.

PS 2: Now-a-days, there is a lot of voice about many techno-genic maladies such as energy and natural resource depletion, environmental pollution, global warming, ozone depletion, deforestation, soil degradation, etc. – all these seem to be man-made problems threatening the survival of life on Earth – What is the root cause of these maladies & what is the way out in your opinion?

On the other hand, there is rapidly growing danger because of nuclear proliferation, arms race, terrorism, criminalization of politics, large scale corruption, scams, breakdown of relationships, generation gap, depression & suicidal attempts, etc – what do you think, is the root cause of these threats to human happiness and peace – what could be the way out in your opinion?

Expected outcome: the students start finding that technical education without study of human values can generate more problems than solutions. They also start feeling that lack of understanding of human values is the root cause of all problems and the sustained



solution could emerge only through understanding of human values and value based living. Any solution brought out through fear, temptation or dogma will not be sustainable.

PS 3:

1. Observe that each one of us has Natural Acceptance, based on which one can verify right or not right for him. Verify this in case of

i) What is Naturally Acceptable to you in relationship- Feeling of respect or disrespect?

ii) What is Naturally Acceptable to you – to nurture or to exploit others?

Is your living the same as your natural acceptance or different?

2. Out of the three basic requirements for fulfillment of your aspirations- right understanding, relationship and physical facilities, observe how the problems in your family are related to each. Also observe how much time & effort you devote for each in your daily routine.

Expected outcome:

1. The students are able to see that verification on the basis of natural acceptance and experiential validation through living is the only way to verify right or wrong, and referring to any external source like text or instrument or any other person cannot enable them to verify with authenticity; it will only develop assumptions.
2. The students are able to see that their practice in living is not in harmony with their natural acceptance most of the time, and all they need to do is to refer to their natural acceptance to remove this disharmony.
3. The students are able to see that lack of right understanding leading to lack of relationship is the major cause of problems in their family and not the lack of physical facilities in most of the cases, while they have given higher priority to earning of physical facilities in their life ignoring relationships and not being aware that right understanding is the most important requirement for any human being.

UNIT 2: Understanding Harmony in the Human Being - Harmony in Myself!

PS 4: List down all your desires. Observe whether the desire is related to Self (I) or Body. If it appears to be related to both, see which part of it is related to Self (I) and which part is related to Body.

Expected outcome: the students are able to see that they can enlist their desires and the desires are not vague. Also they are able to relate their desires to 'I' and 'Body' distinctly. If any desire appears related to both, they are able to see that the feeling is related to I while the physical facility is related to the body. They are also able to see that 'I' and 'Body' are two realities, and most of their desires are related to 'I' and not body, while their efforts are mostly centered on the fulfillment of the needs of the body assuming that it will meet the needs of 'I' too.

PS 5:

1. a. Observe that any physical facility you use, follows the given sequence with time :
Necessary & tasteful → unnecessary & tasteful → unnecessary & tasteless → intolerable

b. In contrast, observe that any feeling in you is either naturally acceptable or not acceptable at all. If naturally acceptable, you want it continuously and if not acceptable, you do not want it any moment!



2. List down all your activities. Observe whether the activity is of 'I' or of Body or with the participation of both 'I' and Body.
3. Observe the activities within 'I'. Identify the object of your attention for different moments (over a period of say 5 to 10 minutes) and draw a line diagram connecting these points. Try to observe the link between any two nodes.

Expected outcome:

1. The students are able to see that all physical facilities they use are required for a limited time in a limited quantity. Also they are able to see that in case of feelings, they want continuity of the naturally acceptable feelings and they do not want feelings which are not naturally acceptable even for a single moment.
2. the students are able to see that activities like understanding, desire, thought and selection are the activities of 'I' only, the activities like breathing, palpitation of different parts of the body are fully the activities of the body with the acceptance of 'I' while the activities they do with their sense organs like hearing through ears, seeing through eyes, sensing through touch, tasting through tongue and smelling through nose or the activities they do with their work organs like hands, legs etc. are such activities that require the participation of both 'I' and body.
3. The students become aware of their activities of 'I' and start finding their focus of attention at different moments. Also they are able to see that most of their desires are coming from outside (through preconditioning or sensation) and are not based on their natural acceptance.

PS 6:

1. Chalk out programs to ensure that you are responsible to your body- for the nurturing, protection and right utilisation of the body.
2. Find out the plants and shrubs growing in and around your campus. Find out their use for curing different diseases.

Expected outcome: The students are able to list down activities related to proper upkeep of the body and practice them in their daily routine. They are also able to appreciate the plants wildly growing in and around the campus which can be beneficial in curing different diseases.

UNIT 3: Understanding Harmony in the Family and Society- Harmony in Human-Human Relationship

PS 7: Form small groups in the class and in that group initiate dialogue and ask the eight questions related to trust. The eight questions are :

- 1a. Do I want to make myself happy?
- 2a. Do I want to make the other happy?
- 3a. Does the other want to make him happy?
- 4a. Does the other want to make me happy?

What is the answer?
Intention (Natural Acceptance)

- 1b. Am I able to make myself always happy?
- 2b. Am I able to make the other always happy?
- 3b. Is the other able to make him always happy?
- 4b. Is the other able to make me always happy?

What is the answer?
Competence



Let each student answer the questions for himself and everyone else. Discuss the difference between intention and competence. Observe whether you evaluate your intention & competence as well as the others' intention & competence.

Expected outcome: The students are able to see that the first four questions are related to our Natural Acceptance i.e. Intention and the next four to our Competence. They are able to note that the intention is always correct, only competence is lacking! We generally evaluate ourselves on the basis of our intention and others on the basis of their competence! We seldom look at our competence and others' intention as a result we conclude that I am a good person and other is a bad person.

PS 8:

1. Observe on how many occasions you are respecting your related ones (by doing the right evaluation) and on how many occasions you are disrespecting by way of under-evaluation, over-evaluation or otherwise evaluation.
2. Also observe whether your feeling of respect is based on treating the other as yourself or on differentiations based on body, physical facilities or beliefs.

Expected outcome: The students are able to see that respect is right evaluation, and only right evaluation leads to fulfillment in relationship. Many present problems in the society are an outcome of differentiation (lack of understanding of respect), like gender biasness, generation gap, caste conflicts, class struggle, dominations through power play, communal violence, clash of isms, and so on so forth. All these problems can be solved by realizing that the other is like me as he has the same natural acceptance, potential and program to ensure a happy and prosperous life for him and for others though he may have different body, physical facilities or beliefs.

PS 9:

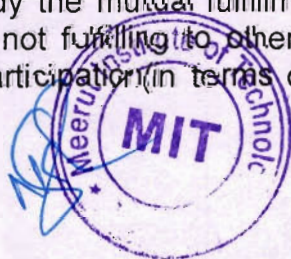
1. Write a note in the form of story, poem, skit, essay, narration, dialogue to educate a child. Evaluate it in a group.
2. Develop three chapters to introduce 'social science- its need, scope and content' in the primary education of children

Expected outcome: The students are able to use their creativity for educating children. The students are able to see that they can play a role in providing value education for children. They are able to put in simple words the issues that are essential to understand for children and comprehensible to them. The students are able to develop an outline of holistic model for social science and compare it with the existing model.

Module 4: Understanding Harmony in the Nature and Existence - Whole existence as Co-existence

PS 10: List down units (things) around you. Classify them in four orders. Observe and explain the mutual fulfillment of each unit with other orders.

Expected outcome: The students are able to differentiate between the characteristics and activities of different orders and study the mutual fulfillment among them. They are also able to see that human beings are not fulfilling to other orders today and need to take appropriate steps to ensure right participation (in terms of nurturing, protection and right utilization) in the nature.



PS 11:

1. Make a chart for the whole existence. List down different courses of studies and relate them to different units or levels in the existence.
2. Choose any one subject being taught today. Evaluate it and suggest suitable modifications to make it appropriate and holistic.

Expected outcome: The students feel confident that they can understand the whole existence; nothing is a mystery in this existence. They are also able to see the interconnectedness in the nature, and point out how different courses of study relate to the different units and levels. Also they are able to make out how these courses can be made appropriate and holistic.

UNIT 5: Implications of the above Holistic Understanding of Harmony at all Levels of Existence

PS 12: Choose any two current problems of different kind in the society and suggest how they can be solved on the basis of natural acceptance of human values. Suggest steps you will take in present conditions.

Expected outcome: The students are able to present sustainable solutions to the problems in society and nature. They are also able to see that these solutions are practicable and draw roadmaps to achieve them.

PS 13:

1. Suggest ways in which you can use your knowledge of Technology/Engineering/ Management for universal human order, from your family to the world family.
2. Suggest one format of humanistic constitution at the level of nation from your side.

Expected outcome: The students are able to grasp the right utilization of their knowledge in their streams of Technology/Engineering/ Management to ensure mutually enriching and recyclable productions systems.

PS 14: The course is going to be over now. Evaluate your state before and after the course in terms of

- a. Thought b. Behavior and c. Work d. Realization

Do you have any plan to participate in the transition of the society after graduating from the institute? Write a brief note on it.

Expected outcome: The students are able to sincerely evaluate the course and share with their friends. They are also able to suggest measures to make the course more effective and relevant. They are also able to make use of their understanding in the course for a happy and prosperous society.



Reference Material

The primary resource material for teaching this course consists of

a. The text book

R.R Gaur, R Sangal, G P Bagaria, A foundation course in Human Values and professional Ethics, Excel books, New Delhi, 2010, ISBN 978-8-174-46781-2

b. The teacher's manual

R.R Gaur, R Sangal, G P Bagaria, A foundation course in Human Values and professional Ethics – Teachers Manual, Excel books, New Delhi, 2010

c. A set of DVDs containing

- Video of Teachers' Orientation Program
- PPTs of Lectures and Practice Sessions
- Audio-visual material for use in the practice sessions

In addition, the following reference books may be found useful for supplementary reading in connection with different parts of the course:

1. B L Bajpai, 2004, *Indian Ethos and Modern Management*, New Royal Book Co., Lucknow. Reprinted 2008.
2. PL Dhar, RR Gaur, 1990, *Science and Humanism*, Commonwealth Purblishers.
3. Sussan George, 1976, *How the Other Half Dies*, Penguin Press. Reprinted 1986, 1991
4. Ivan Illich, 1974, *Energy & Equity*, The Trinity Press, Worcester, and HarperCollins, USA
5. Donella H. Meadows, Dennis L. Meadows, Jorgen Randers, William W. Behrens III, 1972, *limits to Growth*, Club of Rome's Report, Universe Books.
6. Subhas Palekar, 2000, *How to practice Natural Farming*, Pracheen(Vaidik) Krishi Tantra Shodh, Amravati.
7. A Nagraj, 1998, *Jeevan Vidya ek Parichay*, Divya Path Sansthan, Amarkantak.
8. E.F. Schumacher, 1973, *Small is Beautiful: a study of economics as if people mattered*, Blond & Briggs, Britain.
9. A.N. Tripathy, 2003, *Human Values*, New Age International Publishers.

Relevant websites, movies and documentaries

1. Value Education websites, <http://uhv.ac.in>, <http://www.uptu.ac.in>
2. Story of Stuff, <http://www.storyofstuff.com>
3. Al Gore, *An Inconvenient Truth*, Paramount Classics, USA
4. Charlie Chaplin, *Modern Times*, United Artists, USA
5. IIT Delhi, *Modern Technology – the Untold Story*
6. Gandhi A., *Right Here Right Now*, Cyclewala Productions

